सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
" इन्सानियत बहुत बड़ा खजाना है उसे लिबास में नहीं इंसान में तलाश करें ...!!
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–250 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 28 सितंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

लीपापोती : सामान्य सभा के संकल्प पर 28 दिन बाद हस्ताक्षर

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

भिलाई निगम की 25 अगस्त की सामान्य सभा में उठा कुरूद गोकुल धाम बायोगैस प्लांट जमीन आवंटन का विवादास्पद मामला आखिरकार रद्द हो गया है। निगम आयुक्त सुरुचि सिंह ने वेवोम इंटरप्राइजेस को 55 डिसमिल (आधा एकड़) जमीन 15 साल के लिए एडकपर देने का आवंटन निरस्त कर दिया है और योजना के तकनीकी प्रभारी अधीक्षण अभियंता सुनील जैन को शोकाज नोटिस जारी किया है।

क्या है मामला: गोकुल धाम में गोबर से बायोगैस प्लांट के नाम पर निजी एजेंसी वेवोम को सरकारी जमीन दे दी गई। एजेंसी ने भूमिपूजन कर कब्जा भी ले लिया।25 अगस्त को राजस्व प्रभारी सीजू एंथोनी और पार्षद पीयूष मिश्रा ने सामान्य सभा में मुद्दा उठाया। सदन ने इसे बड़ी आर्थिक अनियमितता मानते हुए सर्वसम्मति से दोषी अफसर पर कार्रवाई का संकल्प पारित किया।

28 दिन की देरी पर सवाल: सभापति गिरवर बंटी साहू ने आयुक्त को एक महीने में जांच के निर्देश दिए थे, लेकिन खुद संकल्प पर हस्ताक्षर करने में 28 दिन लगा दिए।22 सितंबर को मिनट्स पास हुआ। सूत्रों के मुताबिक इस बीच जैन की कुछ बड़े नेताओं से गुप्त बैठक हुई और बीच का रास्ता निकालने की कोशिश हुई। देरी से लीपापोती के आरोप लग रहे हैं।

अफसर की रुचि या EOI? : सवाल है कि जब MIC और सामान्य सभा को ही जानकारी नहीं थी तो अफसरों ने किस अधिकार से अनुबंध किया? MIC सदस्यों को भी वेवोम के बारे में जानकारी नहीं – सिर्फ इतना पता कि ऑफिस तालपुरी में है।

10 साल से जमे जैन पर कई गंभीर प्रभार: सुनील जैन 10 साल से भिलाई निगम में हैं, तबादले के बाद फिर लौट आए। जल विभाग, 66 व 77 MLD, सफाई, जलकर, कैच द रेन, जल शक्ति और 189 करोड़ के कचांदूर STP जैसे बड़े प्रोजेक्ट उन्हीं के पास हैं। STP में भी भ्रष्टाचार की शिकायतें हैं।

कुरूद गोकुल धाम बायोगैस प्लांट जमीन आवंटन का विवादास्पद मामला आखिरकार निरस्त

सभापति गिरवर बंटी साहू : संकल्प पर साइन कर दिया हूं। जो भी दोषी होगा कार्रवाई होगी।

महापौर नीरज पाल : अफसरों को जमीन देने का अधिकार ही नहीं है। बड़ी आर्थिक अनियमितता है, कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

आयुक्त सुरुचि सिंह : 22 सितंबर को संकल्प पास हुआ है। आवंटन निरस्त कर दिया है। सुनील जैन को शोकाज दिया है, लीगल ओपिनियन भी लिया जा रहा है।

अधीक्षण अभियंता सुनील जैन : जवाब दे चुका हूं। तत्कालीन आयुक्त राजीव कुमार पांडेय की स्वीकृति से हुआ। नियम-शर्त MIC ने पास किए थे। लीज नहीं, EOI थी।

राजिम का चमत्कार – जब मामा ने भांजे की पुकार सुनी

आलोक तिवारी / राजिम

छत्तीसगढ़ के प्रयागराज कहे जाने वाले राजिम में महानदी, पैरी और सोंढूर का त्रिवेणी संगम है। यहीं बीच टापू पर स्थित है प्राचीन कुलेश्वर महादेव मंदिर, जिससे जुड़ी "मामा–भांजा" की कथा हर छत्तीसगढ़िया के मन में आस्था बनकर बसी है।

क्या है मान्यता ?

मामा का तांडव: जब महानदी में भीषण बाढ़ आती है तो पानी मंदिर की सीढ़ियों को पार कर गर्भगृह की ओर बढ़ने लगता है।

भांजे की पुकार: लोकमान्यता के अनुसार महानदी को मामा और कुलेश्वर महादेव को भांजा माना जाता है। कहा जाता है मंदिर का निर्माण मामा–भांजे शिल्पकारों ने किया था।

चमत्कार: जब बाढ़ का पानी शिवलिंग को छूने वाला होता है, तो भांजा (महादेव) अपने मामा (महानदी) को शांत होने की पुकार लगाता है। और मान्यता है कि भांजे की पुकार सुनते ही मामा का वेग थम जाता है, पानी चौखट को छूकर वापस लौट जाता है।

छत्तीसगढ़ में मामा–भांजे का रिश्ता सबसे पवित्र माना जाता है, यहां भांजे के पैर पूजे जाते हैं। यही पवित्र रिश्ता आज भी हर बाढ़ में राजिम के कुलेश्वर को सुरक्षित रखता है। यह सिर्फ कथा नहीं, छत्तीसगढ़ की संस्कृति और आस्था का संगम है।

भिलाई–दुर्ग हेल्थ सिस्टम की पोल : 8 किमी दूर था एम्स

प्रोटोकॉल के नाम पर घायल को घुमाया 74 किमी, अब वेंटिलेटर पर जिंदगी–मौत से जूझ रहा युवक

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई–कुम्हारी

सिस्टम के लिए प्रोटोकॉल बड़ा है या मरीज की जान? कुम्हारी में हुए सड़क हादसे ने भिलाई–दुर्ग के सरकारी हेल्थ सिस्टम की लकीर के फकीर वाली कार्यप्रणाली को बेनकाब कर दिया है। एक घायल युवक को 8 किलोमीटर दूर एम्स रायपुर पहुंचाने के बजाय 112 और 108 ने 74 किलोमीटर घुमाकर उसकी जान को और जोखिम में डाल दिया।

कैसे हुआ हादसा - पैर कुचले, खून की धार

बुधवार सुबह करीब 10 बजे 35 वर्षीय धर्मेंद्र विश्वकर्मा कुम्हारी थाना के सामने नेशनल हाईवे पर ट्रक की चपेट में आ गए। रायपुर से राजनांदगांव जा रही तेज रफ्तार ट्रक उनके दोनों पैरों को कुचलते हुए निकल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पैर बुरी तरह क्षत–विक्षत हो गए और सड़क पर खून की धार बहने लगी।

8 किमी का एम्स छोड़ 25 किमी दूर सुपेला क्यों?

नियमानुसार घायल को तत्काल नजदीकी ट्रॉमा सेंटर यानी 8 ङट दूर एम्स रायपुर ले जाना चाहिए था। लेकिन डायल 112 मौके पर पहुंची और प्रोटोकॉल का हवाला देकर घायल को 25 ङट दूर लाल बहादुर शास्त्री शासकीय अस्पताल सुपेला ले गई। सुपेला अस्पताल में भी इंतजामों की पोल खुली। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ब्लड लॉस रोकने के लिए प्रॉपर पट्टी तक नहीं बांधी गई, कुचले पैरों पर सिर्फ कपड़ा डालकर 108 एंबुलेंस से 8 ङट दूर जिला अस्पताल दुर्ग रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में भी सिर्फ ऑक्सीजन सपोर्ट और मरहम–पट्टी कर फिर से 41 ङट दूर रायपुर के लिए रेफर कर दिया गया। जिस रास्ते से घायल आया था, उसी रास्ते वापस।

हालत गंभीर, 5 यूनिट खून चढ़ा

परिजनों के अनुसार एम्स पहुंचने तक अत्यधिक खून बहने से हालत बिगड़ चुकी थी, वेंटिलेटर सपोर्ट देना पड़ा। भाई राजा विश्वकर्मा ने बताया – "एम्स ने भर्ती तो कर लिया, लेकिन शाम तक यह नहीं बताया कि दोनों पैर बचेंगे या काटने पड़ेंगे।" डॉक्टरों को जान बचाने के लिए 5 यूनिट ब्लड का इंतजाम करना पड़ा। फिलहाल युवक वेंटिलेटर पर है।

74 किमी का चक्कर - मिनट-टू-मिनट ग्राउंड रिपोर्ट

10 :00 बजे – कुम्हारी हाईवे पर हादसा
10 :30 बजे – 112 सेवा सुपेला अस्पताल लेकर पहुंची
10 :50 बजे – सुपेला से जिला अस्पताल दुर्ग रेफर
11 :05 बजे – 108 से जिला अस्पताल दुर्ग पहुंचा
11 :30 बजे – पट्टी के बाद फिर रायपुर रेफर
11 :45 बजे – परिजन नाराज, निजी एंबुलेंस से निकले
12 :35 बजे – एम्स रायपुर कैजुअल्टी में भर्ती

यानी 8 किमी की दूरी के लिए सिस्टम ने 74 किमी घुमाया। कुम्हारी में ही 30 बिस्तर का सरकारी अस्पताल और आयुष्मान से जुड़े कई निजी अस्पताल मौजूद हैं, जहां प्राथमिक उपचार हो सकता था।

एक्सपर्ट बोले - गोल्डन ऑवर बर्बाद

ट्रॉमा विशेषज्ञ डॉ. दीपक वर्मा कहते हैं – सड़क हादसे में 90% मौतें ब्लड लॉस से होती हैं। गोल्डन ऑवर यानी पहले 2 घंटे में खून रोककर योग्य अस्पताल पहुंचा दिया जाए तो अंग और जान दोनों बच सकते हैं। हर मिनट की देरी जोखिम बढ़ाती है। यहां तो प्रोटोकॉल ने गोल्डन ऑवर ही खत्म कर दिया।

CMHO का जवाब - प्रोटोकॉल अपग्रेड करेंगे

CMHO दुर्ग डॉ. सीबीएस बंजारे से सीधा सवाल

सवाल - कुम्हारी से सीधे रायपुर क्यों नहीं?
जवाब – 108 का स्टैंडर्ड प्रोटोकॉल जिला मुख्यालय लाने का है।

सवाल - इसमें मरीज गंभीर हो जाता है तो?
जवाब – गंभीर केस में सीधे हायर सेंटर जाना चाहिए। मैं सेवा प्रदाता को निर्देशित करूंगा।

सवाल - जान पर बन आए तब भी प्रोटोकॉल?
जवाब – स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता जान बचाना है। प्रोटोकॉल को जरूरत के हिसाब से अपग्रेड करते रहते हैं।

बड़ा सवाल - प्रोटोकॉल बड़ा या जान?
यह घटना बताती है कि सिस्टम अब भी कागजों पर चल रहा है, जमीन पर नहीं। जब 8 किमी दूर विश्वस्तरीय ट्रॉमा सुविधा उपलब्ध है, तो 33 किमी दूर जिला अस्पताल ले जाने की बाध्यता क्यों? क्या 108–112 को लोकेशन बेस्ड नजदीकी अस्पताल ले जाने का अधिकार नहीं मिलना चाहिए?

66.52 लाख की लागत से बने सरगांव थाने के नए भवन का हुआ लोकार्पण

मुख्यमंत्री साय ने किया उद्घाटन

नई दृष्टिबिंदु /मुंगेली

सरगांव में 66.52 लाख से निर्मित नए थाना भवन का लोकार्पण 25 सितंबर को मदकूद्वीप में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया। इसके बाद बिलासपुर संभागायुक्त सुनील जैन, IG रामगोपाल गर्ग और SSP भोजराम पटेल ने थाने में विधिवत प्रवेश कर रोजनामचा लिखा।

नए भवन में थाना प्रभारी, मोहर्रिर, महिला हेल्पलाइन, शस्त्रागार, ड्यूटी अफसर, मालखाना, स्टाफ रूम और महिला–पुरुषों के लिए अलग हवालात की सुविधा है।

70 मीटर तक बहे 5 दोस्त टीआई ने रस्सी बांधकर नाले में कूदकर बचाई जान

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव-गंडई

दनिया पुल पर शुक्रवार–शनिवार की दरमियानी रात बड़ा हादसा टल गया। कान्हा घूमने जा रहे 5 दोस्तों की कार उफनते नाले में बह गई। कार समेत पांचों युवा करीब 70 मीटर तक बह गए और झाड़ियों में फंस गए। अंधेरे में सिर्फ चीखें सुनाई दे रही थीं।

साथी मेहर कौर ने हिम्मत दिखाते हुए डायल 112 पर कॉल किया। सूचना पर गंडई TI शिव शंकर गेंदले टीम के साथ मौके पर पहुंचे। तेज बहाव और घुप्प अंधेरा, युवाओं का लोकेशन मिलना मुश्किल था।

TI ने ट्रक ड्राइवर से रस्सी ली, कमर में बांधी और खुद उफनते नाले में उतर गए। चीखों की दिशा में तैरते हुए युवाओं तक पहुंचे, हिम्मत बंधाई और एक–एक कर बाहर निकाला। डेढ़ घंटे चला रेस्क्यू, तड़के 3 बजे सभी को सुरक्षित निकाला गया। पुलिस ने पांचों को गंडई अस्पताल पहुंचाया, कपड़ों की व्यवस्था की। इलाज के बाद सभी घर लौटे।

बोले युवा - नया जीवन मिला: "बैरिकेडिंग नहीं दिखी, कार पुल पर आते ही बह गई। झाड़ियों के सहारे बचे। ळक खुद तैरकर आए, नया जीवन मिला।" – मेहर कौर

अधूरा पुल बना मौत का जाल : ग्रामीणों का आरोप है दनिया पुल अधूरा है, थोड़ी बारिश में ही पानी ऊपर आ जाता है। पहले भी हादसे हो चुके हैं। ग्रामीणों ने जल्द निर्माण की मांग की है।

टाइमलाइन: रात 1.30 बजे – कार समेत 5 युवा बहे, 70 मीटर दूर झाड़ियों में फंसे, डायल 112 पर सूचना, TI रस्सी बांधकर पानी में उतरे और तड़के 3 बजे रेस्क्यू पूरा हुआ।

दुर्गा पंडाल विवाद में युवक पर पिकअप चढ़ाकर की हत्या, 4 आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु /जामुल-दुर्ग

ढांचा भवन दुर्गा पंडाल के पास जन्मदिन के विवाद में युवक को पिकअप से कुचलकर मारने वाले 4 आरोपियों को पुलिस ने पकड़ लिया।

25 सितंबर रात 11:30 बजे अंकित सिंह का जन्मदिन था। पिकअप CG 07 DC 6706 में आए गोपी से विवाद हुआ। आरोपी ने तेज रफ्तार में पिकअप अंकित पर चढ़ा दी और फरार हो गया। अस्पताल में अंकित को मृत घोषित किया गया। थाना जामुल पुलिस ने केस 715/2026 धारा 105, 110, 103(1), 3(5) BNS और 184 MV Act में दर्ज कर 4 को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी में गुरप्रीत उर्फ गोपी (23) ढांचा भवन, गुरप्रीत उर्फ गगन (24) कैलाश नगर भिलाई, मिलिंद साहू (21) नंदिनी रोड और शुभम शर्मा (21) गोकुल नगर शामिल हैं। पिकअप जप्त, चारों जेल भेजे गए।

बैंक ग्राहकों के लिए बड़ी राहत, तीन दिन की बैंक हड़ताल स्थगित

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली-रायपुर

देशभर में बैंककर्मियों की हड़ताल के बाच एक राहतभरी खबर निकलकर सामने आई है।28, 29 और 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल और धरना–प्रदर्शन समेत सभी आंदोलन स्थगित कर दिया गया है। हड़ताल को लेकर देर रात बैंक कर्मचारी संगठनों और UFBU Bank Strike के बीच हुई बैठक में सहमति बनने के बाद यह निर्णय लिया गया। UFBU के कोऑर्डिनेटर व्हीके शर्मा ने इसकी जानकारी दी। ऐसे में सभी शाखाएं अपने तय समयानुसार सामान्य रूप से संचालित होने की उम्मीद है। वहीं छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में भी सभी बैंक निर्धारित समय पर खुले रहेंगे।

IBA की वार्ता समिति और UFBU की बैठक 27 सितंबर 2026 को हुई। इसमें वार्ता समिति के चेयरमैन राजेश कर्णाटक, BoI के MD एवं CEO अशोक चंद्रा, IBA की वार्ता समिति के वैकल्पिक चेयरमैन एवं PNB के MD एवं CEO बिनोद कुमार, वार्ता समिति के सदस्य एवं Indian Bank के MD एवं CEO जीएस राणा तथा वार्ता समिति के सदस्य एवं SBI के DMD भी शामिल हुए। बैठक में यह तय हुआ कि फिलहाल मुद्दों को बातचीत के जरिए हल करने की कोशिश जारी रखी जाएगी।

बैंक कर्मचारियों के लिए 5 डे वर्किंग वीक लागू होने की खबरों के बीच सरकार ने स्थिति साफ कर दी है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, वित्त मंत्रालय ने पांच दिन काम और दो दिन छुट्टी के प्रस्ताव पर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई है। बैंक कर्मचारी संघों की ओर से पांच दिवसीय कार्य सप्ताह पर सहमति बनने का दावा किया गया था, जिसे सरकारी सूत्रों ने खारिज कर दिया है। IBA और UFBU की एक उच्च स्तरीय समिति तत्काल गठित की जाएगी, जो बचे हुए शनिवारों को अवकाश घोषित करने के मुद्दे पर विचार करेगी। यह समिति सभी संभावित विकल्पों पर विचार करेगी, सभी हितधारकों के साथ चर्चा करेगी और ऐसा समाधान तैयार करेगी जो सभी हितधारकों तथा विशेष रूप से ग्राहकों के लिए स्वीकार्य हो। इसके साथ ही स्केल–4 और उससे ऊपर के अधिकारियों के लिए PLI स्कीम व अन्य पुराने लंबित मुद्दों पर भी विचार जारी रहेगा।

दरअसल, बैंक कर्मचारी काफी लंबे समय सेहफ्ते में 5 डे वीक वर्किंग लागू करने की डिमांड कर रहे हैं। यानी, हर शनिवार और रविवार को पूर्ण अवकाश करने की मांग है। साथ ही पुरानी पेंशन योजना की बहाली, NPS कर्मियों को विकल्प देने, लंबित वेतन संशोधन और प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन (PLI) से जुड़ी विसंगतियों को दूर करने की मांग कर रहे हैं।

भिलाई नगर थाने में खड़े 343 लावारिस दोपहिया वाहनों की नीलामी, 12.26 लाख मिले

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

थाना भिलाई नगर में सालों से जप्त और लावारिस खड़ी 343 दोपहिया गाड़ियों की ऑनलाइन नीलामी की गई। MSTC पोर्टल पर ई–ऑक्शन के जरिए 3 लॉट में नीलामी हुई।

लॉट 1 – 4,24,514 रुपये
लॉट 2 – 4,11,054 रुपये
लॉट 3 – 3,91,382 रुपये
कुल – 12,26,950 रुपये

राशि शासन के खाते में जमा होगी। शेष लावारिस वाहनों की नीलामी प्रक्रिया जारी है। कार्रवाई में रक्षित निरीक्षक नीलकंठ वर्मा और भिलाई नगर पुलिस की भूमिका रही।

केंद्रीय राज्य मंत्री की उपस्थिति में रिसाली के भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी मन की बात

प्रधानमंत्री ने मां भारती की सेवा को समर्पित किया जीवन : केन्द्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने पर भी दिया गया जोर

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 138वीं कड़ी का रविवार को दुर्ग जिले में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर पर सामूहिक श्रवण किया। जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक के मार्गदर्शन में रिसाली के कृष्ण टॉकीज रोड स्थित लक्ष्मी पैलेस में बूथ क्रमांक 103 पर आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम में भाजपा दुर्ग संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्राही, जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, मंडल प्रभारी एवं जिला भाजपा उपाध्यक्ष शिवेंद्र परिहार, वरिष्ठ भाजपा नेता प्रितपाल बेलचंदन, मंडल भाजपा अध्यक्ष अनुपम साहू, राजू जंघेल तथा बूथ अध्यक्ष भुवन चटर्जी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मन की बात कार्यक्रम के श्रवण के बाद बूथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बूथ अध्यक्ष भुवन चटर्जी ने आगामी नगर निगम चुनाव को लेकर महापौर एवं सभी 40 वार्डों में भाजपा प्रत्याशियों की जीत के लिए संकल्प लेने का प्रस्ताव रखा। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने हाथ उठाकर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया।

केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम देश की उपलब्धियों, संस्कृति, परंपराओं और समाज में हो रहे सकारात्मक प्रयासों को सामने लाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपना संपूर्ण जीवन मां भारती की सेवा के लिए समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि 138वीं कड़ी में प्रधानमंत्री ने वर्ष 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक की 10वीं वर्षगांठ के संदर्भ में आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति का उल्लेख किया। इसके साथ ही जनगणना को

राष्ट्रीय दायित्व बताते हुए नागरिकों से ऑनलाइन स्व-गणना में भाग लेने का आह्वान किया।

ठाकुर ने बताया कि प्रधानमंत्री ने पोषण माह के दौरान विभिन्न राज्यों में चलाए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया। छत्तीसगढ़ के हर घर मुनगा-घर-घर मुनगा अभियान की चर्चा करते हुए स्थानीय एवं पौष्टिक खाद्य पदार्थों को आहार में शामिल करने पर जोर दिया गया। आंगनबाड़ी केंद्रों और पोषण ट्रैकर के माध्यम से बच्चों, गर्भवती महिलाओं तथा स्तनपान कराने वाली माताओं की देखभाल के प्रयासों का भी उल्लेख किया गया।

भाजपा संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्राही ने कहा कि मन की बात में प्रधानमंत्री ने पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण से जुड़े विभिन्न प्रयासों की जानकारी दी। इनमें असम के सोनाई रुपाई वन्यजीव अभयारण्य में हाथियों की वापसी, पिग्मी हॉग संरक्षण तथा सुंदरबन में मैंग्रोव संरक्षण जैसे प्रयास शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन बनाए रखना आने वाली पीढ़ियों की जिम्मेदारी है।

जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि मन की बात के माध्यम से प्रधानमंत्री समाज को सकारात्मक दिशा देने वाले विषयों पर संवाद करते हैं। उन्होंने कहा कि इस कड़ी में नशा मुक्त युवा अभियान का उल्लेख करते हुए युवाओं से नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया गया। अभियान में MY Bharat, NSS, शैक्षणिक संस्थानों तथा सामाजिक-आध्यात्मिक संगठनों की भागीदारी का भी उल्लेख किया गया।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और वोकल फॉर लोकल को आगे बढ़ाने की बात कही। उन्होंने उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ के आंवला उत्पादों तथा महिला स्व-सहायता समूहों के प्रयासों का उदाहरण भी बताया। कार्यक्रम के अंत में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मन की बात में व्यक्त विचारों को आत्मसात करते हुए सामाजिक सरोकार, युवा जागरूकता, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भरता से जुड़े प्रयासों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

खास खबर

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय : शासकीय स्कूल के व्याख्याता दुर्गाप्रसाद साहू को जूलॉजी में मिली पीएचडी की उपाधि

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-कांकेर

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग ने शासकीय हाई स्कूल मंगहूर (विकासखंड दुगूकोंदल, जिला उत्तर बस्तर कांकेर) में कार्यरत व्याख्याता दुर्गाप्रसाद साहू को लाइफ साइंस फैकल्टी के अंतर्गत जूलॉजी (प्राणिशास्त्र) विषय में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (Ph.D.) की उपाधि के लिए पात्र घोषित किया है।

दुर्गाप्रसाद साहू ने अपना शोध कार्य "A Correlational Study Betweenf Groundwater Heavy Metals of Rajnandgaon District and Related Human Health Problems" (राजनंदगांव जिले के भूजल में भारी धातुओं और संबंधित मानव स्वास्थ्य समस्याओं के बीच एक सह-संबंधात्मक अध्ययन) विषय पर पूरा किया है। उन्होंने यह शोध कार्य शासकीय वी.वाई.टी. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के प्राणिशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या कुमुदिनी मिंज के मार्गदर्शन में शासकीय वीवाईटी पीजी ऑटोनामस कॉलेज, दुर्ग स्थित शोध केंद्र से संपन्न किया। परीक्षकों की सकारात्मक रिपोर्ट तथा मौखिक परीक्षा (Viva-Voce) के सफल समापन के बाद हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग द्वारा इस आशय की आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी गई है।

केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर ने किया महिला थाना दुर्ग का भ्रमण, परिवार परामर्श की सराहना

दुर्ग। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने शनिवार दोपहर 12:50 बजे महिला थाना दुर्ग का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने परिवार परामर्श कार्यक्रम की कार्यप्रणाली और काउंसलिंग प्रक्रिया को देखा। ररढ दुर्ग ने काउंसलिंग के लिए अतिरिक्त कक्ष और सुविधाओं के विस्तार पर चर्चा की।

मंत्री ने परामर्शदाताओं के साथ बैठकर पारिवारिक मामलों की काउंसलिंग समझी, परिवारों को सुझाव भी दिए। दुर्ग पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, ढअ रिया सिंह, उरढ नेवई भारती मरकाम, महिला थाना प्रभारी नीता राजपूत, परामर्शदाता अशोक जोशी, रत्ना रानी। पारिवारिक विवाद में संवाद और विधिक परामर्श से समाधान करें, जरूरत पर महिला थाना की परामर्श व्यवस्था से संपर्क करें।

सेक्टर-7 में केन्द्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और मितानिनों का किया सम्मान

सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगन मिलन कार्यक्रम का किया गया आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

सेवा संकल्प अभियान के तहत आज आंगनवाड़ी केंद्र सेक्टर-7 में आंगन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, वरिष्ठ नागरिक सुरेंद्र कौशिक, पुरूषोत्तम देवांगन एवं महिला मोर्चा भिलाई की अध्यक्ष श्रीमती स्वीटी कौशिक उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं और आशा कार्यकर्ता प्रधानमंत्री के सेवा-संकल्प की भावना के अनुरूप समर्पण के साथ कार्य कर रही हैं। वे शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के साथ गर्भवती महिलाओं, माताओं और बच्चों की देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यकर्ताओं द्वारा महिलाओं और बच्चों को पोषण, खान-पान तथा टीकाकरण के संबंध में समय-समय पर आवश्यक जानकारी दी जाती है। उन्होंने कहा कि अच्छे कार्य के लिए मिलने वाला प्रोत्साहन कार्यकर्ताओं में और अधिक ऊर्जा के साथ काम करने की प्रेरणा देता है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों के अभिभावकों के सहयोग की भी आवश्यकता होती है। अभिभावक अपने बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्र भेजने के साथ कार्यकर्ताओं द्वारा दी जाने वाली जानकारी और मार्गदर्शन में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता और समाज एक-दूसरे के पूरक हैं।

पोषण और स्वच्छता पर दिया जोर

राज्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में पोषण माह के दौरान गर्भवती महिलाओं, किशोरियों तथा कम वजन एवं कुपोषित बच्चों के लिए पौष्टिक आहार के महत्व के संबंध में जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

महिलाओं का स्वास्थ्य बेहतर रहेगा, तभी परिवार सशक्त होगा। बच्चों को पर्याप्त पोषण और उचित देखभाल देकर उनके बेहतर भविष्य की नींव रखी जा सकती है। उन्होंने स्वच्छता को भी स्वस्थ जीवन का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए कहा कि घर-परिवार और आसपास के वातावरण में साफ-सफाई रखने से अनेक बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे अपने आसपास की अन्य महिलाओं को भी पोषण, स्वच्छता और शासन की विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक करें तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित करें।

विकसित भारत के संकल्प में सभी की भागीदारी जरूरी

राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने कहा कि शासन की योजनाओं को सफल बनाने में जनता की सहभागिता महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने उपस्थित लोगों से आंगनवाड़ी केंद्रों से निरंतर जुड़े रहने तथा कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, अधिकारियों और पर्यवेक्षकों का सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र केवल कार्यकर्ताओं के लिए नहीं, बल्कि महिलाओं और बच्चों के लिए हैं। अभिभावकों को समय-समय पर आंगनवाड़ी केंद्र पहुंचकर बच्चों की वृद्धि, पोषण और सीखने की प्रगति की जानकारी लेनी चाहिए तथा आवश्यकता होने पर कार्यकर्ताओं से मार्गदर्शन लेना चाहिए।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहयोगियों का सम्मान

कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट सेवाओं और आंगनवाड़ी केंद्रों में सहयोग के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती संगीता खड़से एवं गुरमीत कौर, आंगनवाड़ी सहायिका श्रीमती कामिन साहू एवं डी. महालक्ष्मी, मितानिन शकुन्तला तथा आंगनवाड़ी में सहयोग करने के लिए डुलेश्वरी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मिलेट्स से तैयार विभिन्न व्यंजनों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसके माध्यम से मोटे अनाज के पोषण संबंधी महत्व और उनके उपयोग को प्रदर्शित किया गया। वहीं बच्चों के लिए न्योता भोज का आयोजन भी किया गया।

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक श्रीमती रेणुका श्रीवास्तव, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी अशोक पांडे, जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय कुमार साहू, श्रीमती पद्मजा सिन्हा, श्रीमती अनीता सिंह, परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं, स्व-सहायता समूह की महिलाएं तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित महिलाएं उपस्थित रहीं।

गणेश विसर्जन झांकी : राजनांदगांव पुलिस का सख्त पहरा, 8 चाकूबाज गिरफ्तार, 1000 कड़े निकलवाए

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

गणेश विसर्जन झांकी के दौरान पुलिस ने शांति व्यवस्था के लिए बड़ी कार्रवाई की। रढ अंकिता शर्मा के नेतृत्व में गुंडा-बदमाश और निगरानी बदमाशों पर कड़ी निगरानी रखी गई।

पुलिस ने चाकू लेकर घूम रहे 8 युवकों पर आर्म्स एक्ट के 8 प्रकरण दर्ज किए और 11 असामाजिक तत्वों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की। भीड़ में सुरक्षा के मद्देनजर 1000 से ज्यादा लोगों के हाथ से लोहे के कड़े निकलवाए गए ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके। दूसरे जिलों और राज्यों से आए श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात के लिए अतिरिक्त बल तैनात रहा। उत्कृष्ट काम करने वाले जवानों को रढ ने 500 रुपये नकद इनाम देने की घोषणा की। झांकी शांतिपूर्ण संपन्न हुई।

जनपद पंचायत दुर्ग में प्रांतीय और संभागीय पदाधिकारियों ने तय की आंदोलन की रूपरेखा-विजय

30 सितंबर की प्रांतीय हड़ताल—मोदी की गारंटी की तैयारी को लेकर संभाग स्तरीय बैठक का किया गया आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के प्रांतीय आह्वान पर आगामी 30 सितंबर 2026 को प्रस्तावित एक दिवसीय मोदी की गारंटी हड़ताल की तैयारियों को लेकर जनपद पंचायत दुर्ग के सभाकक्ष में संभाग स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रांतीय नेतृत्व एवं विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों ने शामिल होकर हड़ताल की तैयारियों, रणनीति एवं कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक में प्रांतीय संरक्षक पी. आर. यादव, प्रदेश समन्वयक जी. आर. चंद्रा, प्रांताध्यक्ष पवन शर्मा, वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष प्रदीप बाबा चौहान, प्रांतीय महामंत्री विजय लहरे एवं हिमाचल साहू तथा संभाग अध्यक्ष आनंद कुमार श्रीवास्तव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। बैठक में पदाधिकारियों ने कर्मचारी हितों से जुड़ी विभिन्न मांगों पर चर्चा करते हुए 30 सितंबर के प्रस्तावित आंदोलन में विभिन्न विभागों के कर्मचारियों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। पदाधिकारियों ने कहा कि प्रांतीय आह्वान के तहत प्रस्तावित हड़ताल को सफल बनाने के लिए सभी विभागों एवं संबद्ध कर्मचारी संगठनों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा।

बैठक में दुर्ग जिला अध्यक्ष भानु प्रताप यादव, बालोद जिला अध्यक्ष गोविंद दास मानिकपुरी, आईटीआई कर्मचारी अधिकारी संघ के संभाग अध्यक्ष चंद्रकांत

साहू, प्रांतीय सांस्कृतिक सचिव हितेंद्र कुमार साहू, जीएसटी कर्मचारी संघ प्रदेश संगठन के मनीष तिवारी, आदिवासी विकास विभाग छात्रावास अधीक्षक संघ के अनिल कुमार दुबे, कर्मचारी कांग्रेस अध्यक्ष अनुरूप साहू, पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष सुरेश साहू, स्वास्थ्य विभाग कार्यकारी प्रांताध्यक्ष वी. एस. राव एवं जिला सचिव शिवदयाल घृत लहरे, शिक्षा विभाग संयोजक सुखेंद्र देवांगन एवं धर्मेंद्र देशमुख, लघु वेतन कर्मचारी संघ जिला अध्यक्ष मोतीराम खिलाड़ी, समाज कल्याण विभाग संयोजक जंत राम ठाकुर तथा आदिवासी विकास विभाग से संजय साहू एवं चतुर यादव सहित विभिन्न विभागों एवं संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के अंत में विभिन्न विभागों से पहुंचे कर्मचारियों एवं पदाधिकारियों ने 30 सितंबर 2026 के प्रस्तावित मोदी की गारंटी हड़ताल को सफल बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

पं दीनदयाल उपाध्याय स्मृति 11वां व्याख्यान : भारत की प्राचीन और समृद्ध बौद्धिक विरासत है-सच्चिदानंद जोशी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

"भारतीय ज्ञान परंपरा की जड़ें अत्यंत गहरी हैं ।यह वेदों, उपनिषदों,शास्त्रों और लोक साहित्य पर आधारित है। भारतीय ज्ञान परंपरा का अर्थ भारत में हजारों वर्षो से विकसित और संचित एक समृद्ध,समग्र और निरंतर प्रवाहित होने वाली ज्ञान प्रणाली से है ।यह जीवन,प्रकृति ,समाज और ब्रह्मांड को एक साथ जोड़कर देखने वाला सम्पूर्ण दर्शन है।"पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति 11 वें व्याख्यान को मुख्य वक्ता की आसंदी से संबोधित करते हुए उपरोक्त वक्तव्य इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र नई दिल्ली के सदस्य सचिव ,प्रख्यात लेखक एवं शिक्षाविद डॉ सच्चिदानंद जोशी ने दिया।

डॉ. जोशी ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का मूल स्रोत हमारा प्राचीन लोकजीवन एवं लोकसंस्कृति है। हमारी परंपरा वसुधैव कुटुम्बकम् और सर्वे भवन्तु सुखिनह की परंपरा है ।डा जोशी ने कहा की यह दुःख का विषय है कि हमारी संस्कृति और सांस्कृतिक एकता को कमजोर करने की कोशिशें निरंतर जारी हैं किंतु भारतीय जनमानस की जिजीविषा की जड़ें अत्यंत मजबूत हैं। संस्कृति विभाग

छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से ग्रामोदय एवं प्रबुद्ध परिषद छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भारतीय ज्ञान परंपरा पर केंद्रित इस व्याख्यान में छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा ने विषय प्रवर्तन किया।

श्री शर्मा ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को भारतीय परंपरा की बौद्धिक विरासत के संदर्भ में परिभाषित किया जाना चाहिए। उन्होंने भारतीय दर्शन और भारतीय संस्कृति की दीर्घकालीन विरासत का जिक्र करते हुए कहा कि हमारी ज्ञान परंपरा में सिर्फ धर्म और आध्यात्म ही नहीं है वहां दर्शन,विज्ञान,वेद,पुराण खगोल शास्त्र तथा अन्य अनेक वैज्ञानिक परंपराएं हैं।

श्री शर्मा ने समय समाज और संस्कृति के विभिन्न आयामों का विस्तृत विवरण देते हुए कहा कि पूरे देश में इस वक्त भारतीय ज्ञान परंपरा पर विमर्श हो रहा है ।देश की सांस्कृतिक विरासत से जोड़कर ही इसे सही अर्थो में परिभाषित किया जा सकता है। अतिथि वक्ता लेखक संपादक विनोद मिश्र ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में भारत की सांस्कृतिक एकता,साहित्यिक विरासत और जीवन दर्शन के सूत्र मौजूद हैं। यह हमारी बहुभाषिक, नैतिक और दार्शनिक चेतना की आधारभूमि है।

प्रबुद्ध परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष अतुल नागले ने आयोजकीय वक्तव्य देते हुए कहा कि इस तरह के वैचारिक आयोजनों से हमारी राष्ट्रीय चेतना मजबूत होती है। अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि भिलाई जैसे औद्योगिक नगर में वैचारिक एवं बौद्धिक आयोजनों की एक समृद्ध परम्परा रही है। उन्होंने विस्तारपूर्वक प्रबुद्ध परिषद की गतिविधियों की जानकारी प्रदान की ।आयोजन में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के डॉ सुधीर लाल भी विशेष अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

समारोह के प्रारंभ में अतिथियों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि के साथ समारोह को विधिवत प्रारंभ किया। अतिथियों का स्वागत डी वी गिरी,सुमन कन्नौजे, हेमंत नायडू,अनिल वशिष्ठ, श्वेता उपाध्याय एवं डॉ हंसा शुक्ला ने किया। छत्तीसगढ़ का राज्यगीत लोकगायिका रजनी रजक ने प्रस्तुत किया। समारोह के अंत में नयनदीप विद्यालय के दृष्टिबाधित छात्रों ने वन्देमातरम गीत की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम का संचालन रचना नायडू एवं आभार प्रदर्शन ग्रामोदय की सचिव सुमन कन्नौजे ने किया। समारोह में पद्मश्री उषा बारले, एन पी दीक्षित, ई वी मुरली, राजेंद्र सोनबोईर, डॉ.सुनीता वर्मा, राजीव रंजन, विजय येचुरी, अजय सिंह, मोरध्वज चंद्राकर, घनश्याम देवांगन, श्वेता पड्डा, शंकर चरण पाण्डेय, उपासना साहू , प्रदीप भट्टाचार्य, वीएन पाण्डेय, श्रीमति श्वेता उपाध्याय, नीलम जायसवाल, डॉ संजय दानी, जमील अहमद, नौशाद सिद्दीकी, अजय डांगे, प्रभुनाथ मिश्रा और दिनेश वाजपेयी सहित आदि अनेक प्रबुद्ध जन बड़ी संख्या में मौजूद थे।

सीधी और सच्ची बात साहस के साथ रखें युवा, नई सोच को दें नई पहचान : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री छग नेक्स्ट यूथ कॉन्क्लेव में हुए शामिल, विभिन्न क्षेत्रों की युवा प्रतिभाओं का किया सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर में आज की जनधारा मीडिया समूह द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ नेक्स्ट यूथ कॉन्क्लेव में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर प्रदेश का नाम रोशन करने वाली युवा प्रतिभाओं को सम्मानित किया। उन्होंने आज की जनधारा की 36वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रकाशित आज की जनधारा साहित्यिक वार्षिकी-2026 का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि छत्तीसगढ़ का युवा प्रतिभाशाली, परिश्रमी और संभावनाओं से भरपूर है। युवाओं की नई सोच, ऊर्जा और रचनात्मकता प्रदेश के भविष्य की सबसे बड़ी शक्ति है। युवाओं को अपनी बात सीधी, सच्ची और साहस के साथ रखनी चाहिए तथा अपने विचारों और कार्यों से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ युवाओं के सामने अवसरों का नया संसार खुला है। आवश्यकता इस बात की है कि वे अपनी प्रतिभा को पहचानें, बड़े लक्ष्य तय करें और पूरे आत्मविश्वास के साथ उन्हें हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और नए विचारों को साकार करने के लिए व्यापक अवसर मिल रहे हैं। आज भारत का युवा नवाचार, स्टार्टअप, विज्ञान, तकनीक, खेल, कला-संस्कृति सहित हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रहा है। छत्तीसगढ़ के युवाओं में भी अपार सामर्थ्य है और वे अपनी प्रतिभा तथा परिश्रम से विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात का उल्लेख करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम देश के अलग-अलग हिस्सों में हो रहे प्रेरणादायी प्रयासों को सामने लाने और जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने का सशक्त माध्यम बना है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, पोषण और जनभागीदारी के संदेश का उल्लेख करते हुए हर घर मुनगा, घर-घर मुनगा अभियान की चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुनगा पोषण का सहज और स्थानीय स्रोत है। इसे जनभागीदारी से घर-घर तक पहुंचाकर स्वस्थ और सुपोषित छत्तीसगढ़ के संकल्प को और मजबूत किया जा सकता है।

प्रकृति और संस्कृति छग की सबसे बड़ी पहचान

मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक और सांस्कृतिक समृद्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारा प्रदेश प्रकृति की अनुपम देन से समृद्ध है। यहां के वन, पहाड़, जलप्रपात, गांवों का सहज जीवन और विविध लोक परंपराएं छत्तीसगढ़ को विशिष्ट पहचान देती हैं। उन्होंने मधेश्वर पहाड़ और वहां की शिवलिंग सदृश प्राकृतिक संरचना का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में अनेक ऐसे स्थल हैं, जिनमें पर्यटन की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की असली आत्मा यहां के गांवों, लोकजीवन और संस्कृति में बसती है। सादरी सहित प्रदेश की विभिन्न बोलियां, लोककला, लोकगीत और नागपुरी संगीत हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध बनाते हैं। नई पीढ़ी को आधुनिकता के साथ आगे बढ़ते हुए अपनी जड़ों, भाषा-बोली और सांस्कृतिक विरासत से भी जुड़े रहना चाहिए।

संघर्ष से ही मिलता है आगे बढ़ने का संबल

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने जीवन के अनुभव युवाओं के साथ साझा करते हुए कहा कि कम उम्र में ही उनके सिर से पिता का साया उठ गया था और परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई थी। उन्होंने खेती-बाड़ी करते हुए परिवार की जिम्मेदारियां निभाई और अपने छोटे भाइयों की शिक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास किया। जीवन की कठिन परिस्थितियों ने उन्हें संघर्ष करना और जिम्मेदारियों से पीछे न हटना सिखाया। उन्होंने युवाओं से कहा कि जीवन में परिस्थितियां हमेशा अनुकूल नहीं होतीं, लेकिन कठिनाइयों से घबराने के बजाय उनका सामना करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। परिश्रम, धैर्य और संकल्प के साथ किया गया प्रयास व्यक्ति के लिए आगे बढ़ने के नए रास्ते खोलता है।

कार्यक्रम में प्रसिद्ध कलाकार पीयूष मिश्रा ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला एवं संस्कृति की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से पंडवानी की महान कलाकार पद्म विभूषण स्वर्गीय श्रीमती तीजन बाई के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी अद्भुत कला के माध्यम से महाभारत के विभिन्न पात्रों को मंच पर जीवंत किया और पंडवानी को देश-दुनिया में विशिष्ट पहचान दिलाई। श्री मिश्रा ने कार्यक्रम में अपने प्रसिद्ध गीत आरंभ है प्रचंड की प्रस्तुति भी दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कॉन्क्लेव में सम्मानित युवा प्रतिभाओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं के विचारों, उपलब्धियों और प्रतिभा को समाज के सामने लाने के साथ उन्हें नई ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करते हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार कृष्णा दास, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव रजत बंसल, एक समाचार पत्र के प्रधान संपादक सुभाष मिश्रा उपस्थित सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

खास खबर

नए प्रभारी सुखदेव भगत का कांग्रेस में जोरदार स्वागत, बोले- जल-जंगल-जमीन पर हमला बर्दाश्त नहीं

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखदेव भगत के पहले दौरे पर PCC चीफ दीपक बैज ने कहा, एयरपोर्ट से राजीव भवन तक ऐतिहासिक स्वागत हुआ, नए प्रभारी से पार्टी को नई ऊर्जा मिलेगी।

प्रेस वार्ता में प्रभारी सुखदेव भगत ने भाजपा सरकार पर 10 सवाल दागे। कहा - हसदेव में जंगल काटकर खदानें दी जा रही हैं, ग्रामसभा की अनदेखी, DMF का पैसा डायवर्ट हो रहा है। 15 साल की खदान 9 साल में खाली कर दी। PLFS 2025 के मुताबिक युवा बेरोजगारी 6.1%, भर्तियां अटकी हैं। रायपुर में कानून-व्यवस्था बिगड़ी, रोज 8 से ज्यादा दुष्कर्म की घटनाएं। उन्होंने कहा - छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया तो सरकार की नीति औसत क्यों ? खनिज हमारा, मुनाफा बाहर क्यों ? SIR के बाद 1.87 करोड़ वोटर, हटाए गए नामों की लिस्ट सार्वजनिक हो। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, TS सिंहदेव, ताम्रध्वज साहू, मो. अकबर सहित दिग्गज मौजूद रहे।

सुखदेव भगत के नेतृत्व में कांग्रेस को मिलेगी नई ऊर्जा : अरुण वोरा

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रभारी सुखदेव भगत के रायपुर आगमन पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक अरुण वोरा ने उनसे आत्मीय मुलाकात कर संगठनात्मक विषयों एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान पूर्व महापौर आर.एन. वर्मा, निखिल खिचरिया एवं कौशल किशोर भी उपस्थित रहे। श्री वोरा ने कहा कि सुखदेव भगत जी को छत्तीसगढ़ कांग्रेस का प्रभारी बनाए जाने से प्रदेश कांग्रेस कार्यकताओं में उत्साह बढ़ा है। उनके अनुभव और मार्गदर्शन से संगठन को नई ऊर्जा एवं मजबूती मिलेगी। उनके नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता एकजुट होकर जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाते हुए राहुल गांधी जी के विचारों और संघर्ष को मजबूत करने का कार्य करेंगे।

मुलाकात के दौरान बिजली, UPI, किसान, स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क जैसे आम जनता से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर भी चर्चा हुई। श्री वोरा ने कहा कि बढ़े बिजली बिल, स्मार्ट मीटर, अनियमित बिजली आपूर्ति, वढकलेन-देन पर अतिरिक्त शुल्क, किसानों को उचित मूल्य एवं समय पर भुगतान, सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार, स्कूलों में शिक्षकों एवं बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता तथा खराब सड़कों और जलभराव जैसी समस्याओं को प्राथमिकता से उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जनता से जुड़े इन मुद्दों को संगठन के माध्यम से मजबूती से उठाकर सरकार और प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया जाएगा। इस अवसर पर अरुण वोरा ने सुखदेव भगत को दुर्ग आगमन का आमंत्रण भी दिया।

नक्सलवाद से प्रभावित रहे क्षेत्रों में शांति के साथ खुल रहे विकास और समृद्धि के नए द्वार : मुख्यमंत्री साय

मन की बात की 138वीं कड़ी : प्रधानमंत्री मोदी ने की छत्तीसगढ़ के हर घर मुनगा-घर-घर मुनगा अभियान की सराहना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के अलग-अलग हिस्सों में जनभागीदारी से हो रहे सकारात्मक बदलावों और नवाचारों को मन की बात के माध्यम से राष्ट्रीय मंच प्रदान करते हैं। छत्तीसगढ़ के प्रयासों का उनके द्वारा लगातार उल्लेख किया जाना प्रदेशवासियों के परिश्रम और सहभागिता का सम्मान है। इससे हमारे स्थानीय प्रयासों को नई पहचान मिलने के साथ ही बेहतर कार्य करने की प्रेरणा भी मिलती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर घर मुनगा-घर-घर मुनगा अभियान कुपोषण के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की लड़ाई को जनभागीदारी से और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। मुनगा सहज उपलब्ध होने के साथ पोषण का महत्वपूर्ण स्रोत है। इसके पत्ते, फल और फूल भोजन में उपयोग किए जाते हैं तथा इनमें आयरन सहित अनेक पोषक तत्व पाए जाते हैं। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों और विद्यार्थियों से अपने घरों में मुनगा का पौधा लगाने तथा इसके पोषण संबंधी लाभों के प्रति अन्य लोगों को भी जागरूक करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात की 138वीं कड़ी में आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ नीति, जनगणना में नागरिकों की भागीदारी, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति, खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन तथा वोकल फॉर लोकल सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर देशवासियों से संवाद किया।

प्रधानमंत्री ने सितंबर माह को कुपोषण के विरुद्ध लड़ाई को समर्पित पोषण माह के रूप में रेखांकित करते हुए देश के विभिन्न हिस्सों में पोषण को लेकर किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया। इसी क्रम में उन्होंने छत्तीसगढ़ में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित हर घर मुनगा-घर-घर मुनगा अभियान की चर्चा की। इस अभियान के माध्यम से लोगों को पौष्टिक मुनगा अर्थात मोरिंगा को दैनिक खान-पान का हिस्सा बनाने और इसके पौधे लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के नवाचारों की मन की बात में लगातार हो रही चर्चा

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह प्रदेश के लिए गौरव का विषय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात में छत्तीसगढ़ के जनभागीदारी आधारित प्रयासों और नवाचारों को लगातार स्थान दे रहे हैं। इससे पहले बस्तर पंडुम, बस्तर ओलंपिक, मल्हार में प्राप्त ऐतिहासिक ताम्रपत्र और कोरिया जिले के 5 प्रतिशत जल संचय मॉडल जैसे प्रयासों की प्रधानमंत्री द्वारा सराहना की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरिया जिले का 5 प्रतिशत जल संचय मॉडल स्थानीय आवश्यकता और जनभागीदारी से निकला एक प्रभावी समाधान है। इसके अंतर्गत किसान अपने खेत के पांच प्रतिशत हिस्से में जल संचयन की व्यवस्था करते हैं। इससे आवश्यकता के समय फसलों की सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होता है और भूजल स्तर बढ़ाने में भी सहायता मिलती है। ऐसे नवाचार बताते हैं कि स्थानीय स्तर पर जनभागीदारी से किए गए छोटे-छोटे प्रयास भी व्यापक बदलाव का आधार बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी मन की बात में ऐसे कार्यों को देश के सामने लाकर उनसे जुड़े लोगों का उत्साहवर्धन करते हैं। साथ ही देश के अन्य क्षेत्रों के लोगों को भी अपने गांव, शहर और समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए आगे आने की प्रेरणा मिलती है।

नक्सलवाद के प्रभाव से निकलकर विकास की नई राह पर आगे बढ़ रहा क्षेत्र

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर के साथ कांकेर का यह क्षेत्र भी लंबे समय तक नक्सलवाद से प्रभावित रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति, सुरक्षा बलों के जवानों के अदम्य साहस और स्थानीय जनता के सहयोग से छत्तीसगढ़ नक्सलवाद से मुक्ति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में कभी भय और असुरक्षा का वातावरण था, वहां अब शांति, विश्वास और विकास की नई तस्वीर दिखाई दे रही है। शांति और सुरक्षा का वातावरण मजबूत होने के साथ दूरस्थ अंचलों में विकास के नए अवसर भी निर्मित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर अंचल दशकों तक विकास की मुख्यधारा से अपेक्षाकृत दूर रहा, लेकिन अब सरकार का संकल्प है कि विकास का लाभ अंतिम गांव और अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, संचार, रोजगार और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार तेजी से किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार से छत्तीसगढ़ को निरंतर सहयोग मिल रहा है। राज्य सरकार भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ क्षेत्र में शांति के साथ समृद्धि और विकास को गति देने में जुटी है।

लामकन्हार के विकास के लिए 85 लाख रुपए की सौगात

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर ग्राम लामकन्हार में शिक्षा, अधोसंरचना और सामुदायिक सुविधाओं के विस्तार के लिए कुल 85 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने लामकन्हार में शीतला मंदिर के पास सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 15 लाख रुपए, प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला भवन निर्माण के लिए 37 लाख रुपए, छोटे पारा में सीसी रोड निर्माण के लिए 18 लाख रुपए तथा एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय लामकन्हार में पुस्तकालय एवं प्रयोगशाला के लिए 15 लाख रुपए प्रदान करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा तथा बुनियादी अधोसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। लामकन्हार में घोषित इन विकास कार्यों से ग्रामीणों के साथ ही विद्यार्थियों को भी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

एक पेड़ मां के नाम के तहत लगाया अमरूद का पौधा

मन की बात कार्यक्रम के पश्चात मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत अमरूद का पौधा लगाया। उन्होंने उपस्थित लोगों से पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण का भी आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण सरकार के साथ समाज के प्रत्येक व्यक्ति की साझा जिम्मेदारी है। आज लगाया गया प्रत्येक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण की नींव मजबूत करेगा। कार्यक्रम में स्कूली छात्र-छात्राओं और ग्रामीणों ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का श्रवण किया। इस अवसर पर सांसद भोजराज नाग, अंतागढ़ विधायक विक्रम उसेंडी सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी, स्कूली छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

अयोध्या में भव्य श्री राम मंदिर के निर्माण के लिए समाज को एकजुट करने में अशोक सिंघल का योगदान अविस्मरणीय : मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड स्थित निरंजन धर्मशाला में अशोक सिंघल के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने अशोक सिंघल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा समाज, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान का स्मरण करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि श्रद्धेय अशोक सिंघल का संपूर्ण जीवन समाज को संगठित करने, सनातन संस्कृति के संरक्षण, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय स्वाभिमान को सुदृढ़ करने के लिए समर्पित रहा। वे कुशल संगठनकर्ता थे और समाज की सामूहिक शक्ति पर उनका अटूट विश्वास था। उन्होंने अपने विचारों और कार्यों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने तथा भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों के प्रति चेतना जागृत करने का कार्य किया।

उन्होंने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर निर्माण की आकांक्षा को व्यापक जनभावना से जोड़ने और इसके लिए समाज को एकजुट करने में श्रद्धेय अशोक सिंघल का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आज अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम अपने भव्य मंदिर में विराजमान हैं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के पीछे अनेक पीढ़ियों का संघर्ष, तप, त्याग और समर्पण जुड़ा हुआ है। श्रद्धेय अशोक सिंघल जी का योगदान भी इस यात्रा का महत्वपूर्ण अध्याय है। उन्होंने भारतीय संस्कृति के मूल्यों के प्रति समाज में जागरूकता और स्वाभिमान का भाव सुदृढ़ करने के लिए जीवनपर्यंत कार्य किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रभु श्रीराम से छत्तीसगढ़ का संबंध केवल आस्था का नहीं, बल्कि अत्यंत गहरा और आत्मीय है। छत्तीसगढ़ माता कौशल्या की भूमि और प्रभु श्रीराम का ननिहाल है। वनवास काल में प्रभु श्रीराम ने लंबा समय छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर व्यतीत किया। माता शबरी की अनन्य भक्ति से जुड़ी शिवरीनारायण की धरती सहित प्रदेश के अनेक स्थान आज भी रामायणकालीन स्मृतियों और जनआस्था को संजोए हुए हैं। उन्होंने कहा कि इसी आत्मीय संबंध के कारण अयोध्या में प्रभु श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा का अवसर छत्तीसगढ़ के लिए भी विशेष भावनात्मक महत्व रखता था। उस समय पूरे प्रदेश में उत्सव और उल्लास का वातावरण था। छत्तीसगढ़ से 11 ट्रक सुगंधित चावल अयोध्या भेजकर प्रदेशवासियों ने अपनी श्रद्धा अर्पित की थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेशवासियों की इसी आस्था को ध्यान में रखते हुए श्री रामलला दर्शन योजना प्रारंभ की है। योजना के माध्यम से छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम जाकर प्रभु श्रीराम के दर्शन का अवसर मिल रहा है। अब तक 50 हजार से अधिक श्रद्धालु इस योजना के माध्यम से रामलला के दर्शन कर चुके हैं और यह क्रम निरंतर जारी है।

उन्होंने कहा कि श्रद्धेय अशोक सिंघल जी का जन्म शताब्दी वर्ष उनके विराट व्यक्तित्व और कृतित्व को स्मरण करने के साथ-साथ नई पीढ़ी को उनके जीवन से परिचित कराने का महत्वपूर्ण अवसर है। उनके जीवन से यह प्रेरणा मिलती है कि दृढ़ संकल्प, संगठन और समाज के प्रति समर्पण के माध्यम से व्यापक परिवर्तन की दिशा में कार्य किया जा सकता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि श्रद्धेय अशोक सिंघल के जन्म शताब्दी वर्ष के तीन दिवसीय समारोह का शुभारंभ छत्तीसगढ़ की धरती से होना प्रदेशवासियों के लिए गौरव और सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित संतों को नमन करते हुए कहा कि संतों का आशीर्वाद और मार्गदर्शन सदैव समाज को सही दिशा प्रदान करता है।

इस अवसर पर संत परमात्मानंद महाराज, संत युधिष्ठिर लाल, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, अम्बरीश, टोपलाल वर्मा, राजाराम, कुलवंत सिंह सैनी सहित संतगण, देश-विदेश से आए पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

बाघ की हड्डियां व जिंदा पैंगोलिन के साथ 6 गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व, तेलंगाना वनमंडल तथा डीआरआई ने ज्वाइंट ऑपरेशन चलाकर एक बड़े तस्कर गिरोह को पकड़ा है। ऑपरेशन महाराष्ट्र-तेलंगाना सीमा पर चलाया गया।

ज्वाइंट टीम ने इंटरस्टेट गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनके कब्जे से भारी मात्रा में बाघ की हड्डियों के साथ कैनाइन दांत तथा दो जिंदा पैंगोलिन बरामद किए हैं। पैंगोलिन में एक नवजात है। टीम ने इस मामले में 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। इस पूरे ऑपरेशन का नाम सेफ पैसेज 3.0 दिया गया था। यूएसटीआर के डिप्टी डायरेक्टर वरुण जैन ने बताया कि, शनिवार को संयुक्त टीम महाराष्ट्र सीमा से सटे तेलंगाना के आलापल्ली स्थित जिमेला में छापे की कार्रवाई कर पैंगोलिन के साथ 43 नग बाघ की हड्डियांए दो बाघों के कैनाइन दांत तथा तीन बाइक जिनका उपयोग कथित रूप से वन्यजीव अवैध सामग्री के परिवहन में किया जा रहा था, जब्ती की गई है।

अफसर के अनुसार, 14 सितंबर से 14 अक्टूबर तक वैश्विक स्तर पर वन्यजीव तथा उनके अंगों की तस्करी करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। उसी कड़ी में यहां ऑपरेशन सेफ पैसेज चलाया जा रहा है। पूर्व में किए गए ऑपरेशन में यूएसटीआर, वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र के दो पुलिसकर्मियों सहित कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 3 बाघ की खाल, 1 बाघ का शव और 5.39 किलोग्राम पैंगोलिन स्केल्स जब्त किया था। फॉलो-अप जांच में अहेरी, सिरोंचा, जिंगानूर, बीजापुर बेल्ट रूट को पकड़ा गया। यहां वन्यजीव तस्करी के एक महत्वपूर्ण हॉटस्पॉट के रूप में चिन्हित किया गया है।

संपादकीय

हड़ताल — सुविधा मांगने का असुविधाजनक तरीका

मांग किसी की हो, कीमत अक्सर किसी और को चुकानी पड़ती है। बैंक कर्मचारियों की मांग हो तो बैंक बंद, बस मालिकों की हो तो परिवहन व्यवस्था ठप, ट्रक ऑपरेटरों की हो तो माल ढुलाई ठप, डॉक्टरों की हो तो अस्पतालों की रफ्तार धीमी और शिक्षकों की हो तो पढ़ाई प्रभावित। क्षेत्र अलग, समस्याएं अलग और संगठन अलग, लेकिन हड़ताल की पटकथा लगभग एक—चेतावनी, बंद, वार्ता, आश्वासन और फिर कुछ दिनों की शांति। फिर नया मुद्दा, नई चेतावनी और वही पुराना चक्र। इस सिलसिले का सबसे स्थायी किरदार वही है, जो न कर्मचारी है, न प्रबंधन और न नीति-निमार्ता—आम आदमी, जो हर बार बिना मांग किए इसकी कीमत चुकाता है।

आठ लाख बैंक कर्मचारी पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह, पीएलआई योजना की वापसी/संशोधन और पेंशन अपडेशन समेत अन्य लंबित मुद्दों की मांग को लेकर हड़ताल की चेतावनी दे रहे हैं। सवाल इन मांगों से ज्यादा उस व्यवस्था पर है, जो समाधान तक पहुंचने से पहले हड़ताल की स्थिति बना देती है। काम के घंटे, पारिश्रमिक, पेंशन और सेवा-शर्तें कर्मचारियों के महत्वपूर्ण मुद्दे हैं; इन पर बातचीत होना स्वाभाविक है। फिर समाधान हड़ताल तक क्यों पहुंचे? जब यूनियन और प्रबंधन के बीच संस्थागत संवाद का रास्ता मौजूद है, तो बैंक बंद करने की नौबत क्यों आए? और यदि मार्च 2024 में समझौता हो चुका था, तो उसकी अधिसूचना अब तक क्यों नहीं हुई? हर बार हड़ताल की तारीख नजदीक आने पर ही व्यवस्था क्यों जागती है?

हड़ताल की घोषणा कर्मचारी करते हैं, लेकिन उसकी तैयारी आम आदमी को करनी पड़ती है। खबर आते ही सलाह—जरूरी लेनदेन निपटा लें, नकदी निकाल लें, चेक जमा कर दें, पेंशन का काम करा लें। यानी व्यवस्था ठप होने का इंतजाम भी नागरिक करे! डिजिटल बैंकिंग बढ़ी है, पर भारत सिर्फ महानगरों की मोबाइल स्क्रीन नहीं। छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में बैंक शाखा आज भी जरूरी है। पेंशनर को काउंटर चाहिए, छोटे व्यापारी को बैंकिंग व्यवस्था और लाखों लोगों के लिए हर काम ऐप से संभव नहीं। तीन दिन बैंक बंद रहना बड़े कारोबारी के लिए असुविधा हो सकता है, लेकिन बुजुर्ग की दवा, दुकानदार का भुगतान या परिवार की जरूरी रकम अटक जाए तो उसकी कीमत बड़ी होती है।

हड़ताल जहां काम रोकती है, वहीं उसका असर आम आदमी की जिंदगी रोक देता है। बस मालिक किराया बढ़ाने की मांग पर हड़ताल करें तो यात्री की राह और जेब, दोनों प्रभावित होते हैं। ट्रक ऑपरेटर लागत और टोल का मुद्दा उठाएं तो माल की आवाजाही रुकती है और कीमतें बढ़ती हैं। डॉक्टरों की हड़ताल में मरीज इंतजार करता है, बिजली कर्मचारियों के आंदोलन में घर-कारोबार प्रभावित होते हैं और शिक्षकों के आंदोलन में विद्यार्थियों का समय जाता है। हड़ताल खत्म होने पर वार्ता में मांगों का हिसाब होता है, लेकिन मरीज का इंतजार, मजदूरी का नुकसान, रुका कारोबार और बढ़ी कीमतों का हिसाब कहीं नहीं होता।

हड़ताल खत्म होते ही व्यवस्था ऐसे चल पड़ती है, मानो जनता की जिंदगी में कुछ रुका ही नहीं था। कुछ मांगें मान ली जाती हैं, कुछ समितियों के हवाले, कुछ आश्वासनों में और कुछ अगली बैठक की फाइल में चली जाती हैं। बैठकें होती हैं, बयान आते हैं और मामला शांत। लेकिन उन तीन दिनों का क्या, जब बैंक के चक्कर काटता नागरिक अपना काम नहीं करा सका? छोटे व्यापारी का अटका भुगतान, पेंशनर का टला काम, कर्मचारी की गई मजदूरी और मरीज का बिगड़ा इलाज—इनका हिसाब कौन देगा? न कोई मुआवजा, न जवाबदेही, न प्रतिपूरक व्यवस्था। जैसे आम आदमी की परेशानी कोई लागत ही नहीं, जिसे हर आंदोलन बेझिझक जनता के खाते में डाल दे।

बात हड़ताल का अधिकार छीनने की नहीं, उसे ऐसी व्यवस्था में बांधने की है जिसमें उसकी कीमत जनता न चुकाए। कर्मचारियों को अपनी मांग रखने और विरोध करने का अधिकार है, लेकिन अधिकार जिम्मेदारी से अलग नहीं हो सकता। बैंक हड़ताल पर हों तो न्यूनतम सेवाएं कैसे चलेंगी? सार्वजनिक परिवहन रुके तो वैकल्पिक व्यवस्था कौन करेगा? जरूरी सेवाएं प्रभावित हों तो नागरिकों के लिए आपात विकल्प क्या होंगे? और जब समझौता हो जाए, तो उसे लागू करने की समयसीमा क्यों न तय हो? सरकार, प्रबंधन और यूनियन यदि समयबद्ध बातचीत और फैसलों के लिए जवाबदेह हों, तो हड़ताल मजबूरी की आखिरी सीढ़ी बनेगी, हर मांग की पहली सीढ़ी नहीं।

हड़ताल अब आम आदमी के लिए खबर नहीं, पहले से जारी होने वाली चेतावनी बन गई है। बैंक हड़ताल की सूचना मिलते ही वह पैसे निकालने लगता है, बस हड़ताल की खबर आते ही दूसरा साधन खोजता है और ट्रकों की हड़ताल सुनते ही महंगा होने के डर से जरूरी सामान जुटाने लगता है। यानी नागरिक व्यवस्था से समाधान की उम्मीद छोड़, अव्यवस्था से बचने की तैयारी करने लगा है। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? लोकतंत्र की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि हड़ताल के बाद कितनी मांगें मानी गईं; यह भी पूछा जाना चाहिए कि मांग और समाधान के बीच आम आदमी ने कितनी कीमत चुकाई।

मांगें बदलेंगी, हड़तालें आएंगी, पर सवाल वही रहेगा—हर संघर्ष की कीमत आम आदमी ही क्यों चुकाए? पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह, पेंशन सुधार, वेतन वृद्धि या डीजल लागत—मांगें जायज हो सकती हैं, पर समाधान बातचीत, समयबद्ध फैसलों और जवाबदेही से होना चाहिए। हड़ताल जरूरी हो तो उसकी मार न्यूनतम रखने की जिम्मेदारी तय हो। वरना चक्र वही रहेगा—मांग, चेतावनी, हड़ताल, जनता की परेशानी, बैठक और आश्वासन; फिर नया मुद्दा। पोस्टर, नारे और मांगें बदलेंगी, लेकिन भुगतेगा वही—आम आदमी। हड़ताल की सफलता सिर्फ मांगें मनवाने में नहीं, उसकी कीमत जनता पर न पड़ने में है। विरोध का अधिकार जरूरी है, पर ऐसा विरोध किस काम का, जिसमें मांग सुनी जाए और जनता भुगते?

लायंस क्लब इंदौर सेवा सप्ताह : सेवा, संवेदना और सामाजिक दायित्व

लायन (डॉ.) मनमोहन प्रकाश

समाज केवल संस्थाओं, व्यवस्थाओं और संसाधनों से नहीं बनता, बल्कि उसके वास्तविक स्वरूप का निर्माण उस संवेदना से होता है, जिसके माध्यम से व्यक्ति दूसरों के सुख-दुख को अपना समझता है। जब सेवा किसी व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर सामाजिक सरोकार का रूप लेती है, तब वह समाज में सकारात्मक परिवर्तन की आधारशिला बन जाती है। इसी भावना को सार्थक रूप देने में सेवा संस्थाओं और सामाजिक संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 G-1 द्वारा आयोजित सेवा सप्ताह (2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर 2026) इसी सामाजिक दायित्व, संवेदना और सेवा-समर्पण की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण अवसर है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती और स्वच्छता के संदेश से प्रारंभ होने वाला यह सप्ताह सेवा के विभिन्न आयामों को एक व्यापक सामाजिक अभियान के रूप में सामने रखता है।

सेवा सप्ताह का उद्देश्य केवल कुछ दिनों तक सेवा गतिविधियों का आयोजन करना नहीं है, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझना और उसे व्यवहार में उतारना है। इस वर्ष सेवा सप्ताह की गतिविधियों को समाज की समकालीन आवश्यकताओं से जोड़ते हुए स्वच्छता, स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण, डिजिटल सुरक्षा, रक्त एवं अंगदान, ई-वेस्ट और प्लास्टिक मुक्त शहर, खाद्य सेवा तथा वरिष्ठजन सम्मान जैसे महत्वपूर्ण विषयों को केंद्र में रखा गया है। इस दृष्टि से यह सप्ताह सेवा के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता का भी अभियान बन जाता है।

2 अक्टूबर को स्वच्छ एवं सुंदर शहर के संदेश के साथ सेवा सप्ताह की शुरूआत होगी। इसके अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों की सफाई, प्लास्टिक मुक्त अभियान, किसी एक स्थान को गोद लेकर उसकी स्वच्छता की जिम्मेदारी, स्वच्छता रैली अथवा मानव श्रृंखला तथा नागरिकों में स्वच्छता के प्रति संकल्प जैसी गतिविधियों को आयोजित करने का लक्ष्य रखा गया है क्योंकि स्वच्छ शहर केवल नगर निकायों के प्रयासों से नहीं बनते; इसके लिए नागरिकों का व्यवहार बदलना भी आवश्यक है। सड़क पर कचरा न डालना, प्लास्टिक का विवेकपूर्ण उपयोग करना और सार्वजनिक स्थलों को अपना समझना ही वास्तविक नागरिक अनुशासन है। स्वच्छता का संदेश तभी स्थायी बनेगा, जब वह अभियान से आगे बढ़कर जीवनशैली का हिस्सा बने। सेवा सप्ताह के दौरान सभी लायंस सदस्यों द्वारा यही विचार अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के प्रयास रहेगा।

3 अक्टूबर को स्वस्थ शहर की अवधारणा के अंतर्गत बेसिक हेल्थ स्क्रीनिंग कैंप आयोजित किए जाएंगे। रक्तचाप, बॉडी मास इंडेक्स (BMI), रक्त शर्करा और नेत्र परीक्षण जैसी प्राथमिक स्वास्थ्य जांचें सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं की समय रहते पहचान में उपयोगी हो सकती हैं। स्वास्थ्य सेवा का वास्तविक उद्देश्य केवल बीमारी के उपचार तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि बीमारी की रोकथाम और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करना भी होना चाहिए। हर व्यक्ति स्वस्थ हो का संदेश तभी सार्थक होगा, जब स्वास्थ्य जांच और स्वास्थ्य जागरूकता समाज के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे।

4 अक्टूबर को महिला सशक्तीकरण को सेवा सप्ताह का प्रमुख विषय बनाया गया है। कौशल विकास और करियर मार्गदर्शन, वित्तीय साक्षरता एवं स्वयं सहायता समूह, डिजिटल एवं साइबर सुरक्षा, महिला स्वास्थ्य एवं मासिक धर्म स्वच्छता, महिलाओं के कानूनी अधिकार एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी, बालिकाओं की शिक्षा और उच्च शिक्षा को प्रोत्साहन तथा प्रेरणादायी महिलाओं का सम्मान जैसी गतिविधियां महिला सशक्तीकरण को व्यापक अर्थ प्रदान करती हैं। महिला को केवल सहायता का पात्र मानने के बजाय उसे ज्ञान, कौशल, निर्णय क्षमता और आत्मनिर्भरता के अवसर उपलब्ध कराना अधिक प्रभावी सामाजिक परिवर्तन का आधार बन सकता है। सशक्त नारी, सशक्त समाज केवल एक नारा नहीं, बल्कि समावेशी विकास की आवश्यकता है।

5 अक्टूबर को डिजिटल सेफ्टी डे के माध्यम से डिजिटल युग की नई चुनौतियों के प्रति नागरिकों को जागरूक करने का प्रयास किया जाएगा। इसमें कोई संदेह नहीं कि आज डिजिटल लेन-देन ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन इसके साथ साइबर धोखाधड़ी के नित्य नए रूप भी सामने आ रहे हैं। यूपीआई फ्रॉड, ओटीपी के माध्यम से ठगी, फर्जी लोन ऐप, डिजिटल अरेस्ट, सोशल मीडिया फ्रॉड और साइबर बुलिंग जैसे विषयों पर जागरूकता आवश्यक है। विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, विद्यार्थियों और डिजिटल तकनीक का तेजी से उपयोग करने वाले लोगों को यह समझना जरूरी है कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, पासवर्ड, पिन अथवा बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा न करें। डिजिटल सुविधा तभी उपयोगी है, जब उसके साथ डिजिटल सावधानी भी हो। डिजिटल सुरक्षित समाज आज सामाजिक सुरक्षा का एक नया आयाम बन चुका है।

6 अक्टूबर को जीवन बचाओ दिवस— 'एवरी ड्रॉप अ लाइफ के अंतर्गत रक्तदान, रक्तदाता पंजीयन, अंगदान जागरूकता और नेत्रदान जागरूकता जैसी गतिविधियां आयोजित करने का लक्ष्य रखा गया है। रक्तदान ऐसी मानवीय सेवा है, जिसमें दान की गई रक्त की एक इकाई किसी जरूरतमंद के जीवन में आशा जगा सकती है। इसी प्रकार अंगदान और नेत्रदान के प्रति जागरूकता समाज में मृत्यु के बाद भी जीवन और दृष्टि के रूप में योगदान देने की भावना विकसित करती है। जीते जी रक्तदान, मरणोपरांत नेत्रदान का संदेश सेवा की उस व्यापक भावना को सामने रखता है जिसमें व्यक्ति अपने जीवन के साथ-साथ अपने जीवन के बाद भी समाज के लिए उपयोगी बनने का संकल्प ले सकता है।

7 अक्टूबर को ई-वेस्ट एवं प्लास्टिक मुक्त शहर' के साथ फूड फॉर हंगर की गतिविधियां सेवा के दो महत्वपूर्ण पक्षों को सामने लाएंगी। मोबाइल, कंप्यूटर, चार्जर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से निकलने वाले ई-कचरे का उचित संग्रह और निस्तारण आज पर्यावरण संरक्षण की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। इसी तरह प्लास्टिक संग्रह अभियान नागरिकों को यह समझाने का माध्यम बन सकता है कि कचरा केवल फेंकने वाली वस्तु नहीं, बल्कि उचित प्रबंधन के माध्यम से संसाधन भी बन सकता है। दूसरी ओर जरूरतमंदों को भोजन पैकेट उपलब्ध कराना, अस्पतालों में मरीजों और उनके परिजनों के लिए भोजन सेवा तथा वृद्धाश्रम और अनाथ आश्रमों में आवश्यकता के अनुरूप भोजन उपलब्ध कराना मानवीय संवेदना का प्रत्यक्ष उदाहरण है। कोई भूखा न सोये का संकल्प समाज की सामूहिक जिम्मेदारी की याद दिलाता है।

8 अक्टूबर को वरिष्ठजन सम्मान के माध्यम से उन बुजुर्गों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर मिलेगा, जिन्होंने परिवार और समाज के निर्माण में अपना जीवन लगाया है। वरिष्ठजनों से संपर्क एवं सम्मान, स्वास्थ्य परीक्षण, आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराना, सरकारी योजनाओं और कानूनी जानकारी से परिचित कराना तथा परिवारों को वरिष्ठजन देखभाल के लिए प्रेरित करना इस अभियान का हिस्सा बन सकते हैं। आधुनिक जीवन की व्यस्तता में अनेक बार बुजुर्गों की भावनात्मक और सामाजिक आवश्यकताएं पीछे छूट जाती हैं। ऐसे में केवल सहायता देना ही नहीं, बल्कि उनके साथ समय बिताना, उनकी बात सुनना और उन्हें सम्मान देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। आप अकेले नहीं का संदेश वरिष्ठजनों को सामाजिक सुरक्षा और आत्मीयता का अनुभव करा सकता है।

सेवा सप्ताह की इन गतिविधियों में एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि सेवा को केवल दान या सहायता तक सीमित नहीं रखा गया है। स्वच्छता में नागरिक अनुशासन, स्वास्थ्य में जागरूकता, महिला सशक्तीकरण में आत्मनिर्भरता, डिजिटल सुरक्षा में सावधानी, रक्तदान में जीवन रक्षा, ई-वेस्ट प्रबंधन में पर्यावरणीय जिम्मेदारी, भोजन सेवा में मानवीय संवेदना और वरिष्ठजन सम्मान में पारिवारिक-सामाजिक कर्तव्य आदि सभी को एक साथ जोड़कर सेवा की व्यापक अवधारणा प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है।

आज समाज में सेवा की आवश्यकता इसलिए भी बढ़ रही है क्योंकि आज व्यक्ति के पास सुविधाएं और सूचनाएं पहले की अपेक्षा कहीं अधिक हैं, लेकिन सामुदायिक संवेदना को बनाए रखना एक चुनौती भी है। इसलिए तेज गति से बदलती जीवनशैली, बढ़ती प्रतिस्पर्धा और व्यक्तिगत उपलब्धियों की दौड़ के बीच समाज के कमजोर, जरूरतमंद और वंचित वर्गों की ओर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। ऐसे समय में सेवा संगठन यह स्मरण कराते हैं कि विकास का अर्थ केवल आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में सम्मान, अवसर, स्वास्थ्य और सुरक्षा का विस्तार भी है।

लायंस क्लब जैसी संस्थाओं की विशेषता यह है कि वे सेवा को सामूहिक प्रयास का स्वरूप देती हैं। एक व्यक्ति की क्षमता सीमित हो सकती है, लेकिन जब अनेक लोग एक उद्देश्य के लिए साथ आते हैं तो उसका प्रभाव व्यापक हो जाता है। सेवा सप्ताह इसी सामूहिक शक्ति का प्रतीक है। लायंस क्लब से विभिन्न व्यवसायों के लोग जुड़े होने के कारण इसके द्वारा की जानी वाली सेवा केवल संस्था की गतिविधि न रहकर नागरिक सहभागिता का माध्यम बन जाती है इंदौर जैसे सामाजिक सहभागिता और जनभागीदारी की समृद्ध परंपरा वाले शहर में ऐसे सेवा अभियानों का महत्व और बढ़ जाता है। शहर की प्रगति तभी सार्थक मानी जाएगी, जब उसके विकास का लाभ समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचे। नागरिक संस्थाएं स्थानीय समस्याओं को पहचानकर उनके समाधान के लिए जनभागीदारी विकसित कर सकती हैं और प्रशासन तथा समाज के बीच प्रभावी सेतु का कार्य कर सकती हैं।

वास्तव में सेवा का अर्थ केवल किसी को कुछ देना नहीं है। सेवा का श्रेष्ठ रूप वह है, जिसमें सामने वाले व्यक्ति के सम्मान और आत्मनिर्भरता का भी ध्यान रखा जाए। जरूरतमंद व्यक्ति की वास्तविक आवश्यकता को समझना, उसे सम्मानपूर्वक सहायता उपलब्ध कराना और जहां संभव हो, उसे आत्मनिर्भर बनने के अवसर प्रदान करना आधुनिक सेवा की अधिक सार्थक अवधारणा है। इसी प्रकार एक स्वास्थ्य शिविर तभी अधिक प्रभावी होगा, जब उसके साथ स्वास्थ्य जागरूकता भी जुड़े; पौधरोपण के साथ पर्यावरण शिक्षा, रक्तदान के साथ नियमित रक्तदान की संस्कृति, डिजिटल सुरक्षा के साथ साइबर अनुशासन और भोजन सेवा के साथ जरूरतमंदों के प्रति निरंतर संवेदना भी विकसित हो।

सेवा सप्ताह हमें यह भी संदेश देता है कि सामाजिक जिम्मेदारी केवल किसी संगठन की जिम्मेदारी नहीं है। प्रत्येक नागरिक अपने स्तर पर समाज के लिए कुछ कर सकता है। कोई समय दे सकता है, कोई ज्ञान, कोई श्रम, कोई संसाधन और कोई केवल जागरूकता फैलाकर भी योगदान कर सकता है। सेवा की संस्कृति तब व्यापक बनेगी, जब हम यह प्रश्न पूछना शुरू करेंगे कि समाज ने हमें क्या दिया, इसके साथ-साथ यह भी कि हम समाज को क्या दे रहे हैं।

लायंस इंटरनेशनल का यह सेवा सप्ताह इसलिए केवल 2 से 8 अक्टूबर तक चलने वाली गतिविधियों की श्रृंखला नहीं, बल्कि सेवा को संस्कार और सामाजिक दायित्व को जीवन-मूल्य बनाने का अवसर है। यदि इन सात दिनों में उठाए गए संकल्प वर्षभर की गतिविधियों में बदल जाएं, यदि एक स्वच्छता अभियान निरंतर स्वच्छता की आदत बन जाए, एक स्वास्थ्य शिविर नियमित स्वास्थ्य-जागरूकता का माध्यम बने, एक रक्तदान शिविर नियमित रक्तदाताओं का समूह तैयार करे और वरिष्ठजन सम्मान पारिवारिक जिम्मेदारी का हिस्सा बने, तो सेवा सप्ताह का प्रभाव निश्चित रूप से अधिक व्यापक होगा।

अंततः किसी भी समाज की पहचान केवल उसकी भौतिक उपलब्धियों से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वहां सक्षम व्यक्ति कमजोर व्यक्ति के लिए कितनी संवेदना रखता है और नागरिक अपने सामाजिक दायित्वों को कितनी ईमानदारी से निभाते हैं। सेवा यदि संवेदना से जुड़ जाए तो वह संस्कार बनती है, संवेदना यदि दायित्व में बदल जाए तो सामाजिक शक्ति बनती है और जब यही सामाजिक शक्ति सामूहिक रूप से सक्रिय होती है, तब सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होता है। लायंस क्लब इंदौर का सेवा सप्ताह इसी विचार को जन-जन तक पहुंचाने और सेवा को एक आयोजन से आगे बढ़ाकर जीवन की संस्कृति बनाने का सार्थक अवसर है।

इंद्रदेव अब बस करो

बारिश को रहने दो,
अब बारिश न बरसाओ,
इंद्रदेव महाराज,
अब तो थोड़ा थम जाओ।

जल से भर गए नदी-तालाब,
बाढ़ ने मचाई आफत भारी,
घर-आंगन में पानी घुस आया,
मुश्किल हुई जिंदगी हमारी।

रुक गए कितने काम-धंधे,
छिन गया लोगों का रोजगार,
बीमारी ने घेरा सबको,
भूख बनी जीवन पर भार।

ठंड से कांप रहा है तन,
भूख से तड़प रही आत्मा,

कविता का कोना

शरीर का बुरा हाल हुआ है,
हर ओर दिख रही है व्यथा।

फसलें खेतों में गलने लगीं,
सब्जियां-फल भी सड़ने लगे,
प्रकृति का यह कैसा कहर है,
जिससे जन-जीवन उजड़ने लगे।

फिर भी गणपति का विसर्जन,
लोगों की श्रद्धा भारी है,
हे गणेश भगवान कृपा करो,
अब रक्षा की बारी है।

विनाश से दुनिया को बचाओ,
हे गणपति महाराज,
प्रकृति पर अपनी कृपा बरसाओ,
थम जाए यह जल का राज।

इंद्रदेव, अब रहम करो,
अब और न पानी बरसाओ,
उठती धार को थाम लो महाराज,
डूबती दुनिया को बचाओ।

हे गणपति बप्पा,
विनाश से दुनिया को बचाओ।
इंद्रदेव महाराज,
अब बस करो- अब थम जाओ।

प्रकृति का सुंदर संसार

सुनहरा रंग सूर्य का,
धरती चमक उठी,
पंछियों की चहचहाहट से,
प्रातः मधुर संगीत बजी।

नटखट बंदर डाल-डाल पर,
कूद रहे हैं वन में,
होले-होले तितली रानी,
बैठ रही है फूलों पर मन में।

प्रकृति का सुंदर रूप देखकर,
मन आनंद से भर जाता है,
हरी-भरी धरती का सौंदर्य,
सबके मन को खूब भाता है।

सूर्य के प्रकाश बिना,
दुनिया में अंधियारा है,
सूरज की किरणों से ही तो,
जीवन जगमग सारा है।

आओ मिलकर प्रकृति बचाएं,
पेड़-पौधों को खूब लगाएं,
स्वच्छ रहे यह प्यारी धरती,
मिलकर इसका मान बढ़ाएं।
यही तो जिंदगी है

सांसों का चलना जिंदगी है,
मगर हालात बदल जाते हैं,
जहां चाहिए होता है सहारा,
वहीं गम के बादल छा जाते हैं।

तलाशने पर भी राह नहीं मिलती,
इलाज कहीं नजर नहीं आता है,
इंसान तड़पता रहता है,
और वक्त यूं ही गुजर जाता है।
अफसोस करते हैं अपने
भाग्य पर,
ठंडी सांसें भरते जाते हैं,
फिर दर्द को दिल में छिपाकर,
अपने कर्म में जुट जाते हैं।

यही तो जिंदगी है—
सुख-दुख का एक सिलसिला है,
सांसों का चलना ही जीवन है,
हर पल जीने का हौसला है।

जिस दिन सांस रुक जाएगी,
उस दिन सब कुछ थम जाएगा,
शांत हो जाएगी जीवन की धड़कन,
और यह सफर भी रुक जाएगा।
इसलिए जब तक सांसें चलती हैं,
जीवन को मुस्कुराकर जीना है,
दर्द कितना भी गहरा हो,
हर पल उम्मीद से जीना है।

श्रीमती ममता दुबे
सेक्टर-4, भिलाई छत्तीसगढ़

सू- दोकू क्र.173

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.172 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

सूखा नशा, वेब सीरीज और अश्लील रील संस्कृति से भी बढ़ रही महिला असुरक्षा की घटनाएँ

विनोद कुमार विक्की

बिहार के जमुई में कोचिंग से लौट रही दसवीं कक्षा की छात्रा के साथ युवकों द्वारा सरेआम छेड़छाड़ और उसका वीडियो वायरल होने की घटना ने सभ्य समाज और मानवीयता को एक बार फिर शर्मसार कर दिया है। हालांकि इस प्रकरण में बिहार पुलिस की त्वरित कार्रवाई और आरोपियों की गिरफ्तारी सराहनीय है। किंतु घटनाक्रम के कुछ दिन बाद बिहार के समस्तीपुर और देश की राजधानी दिल्ली से भी छेड़छाड़ की अन्य विडियो एवं तस्वीरें वायरल हुई है।

इस वर्ष जून में राजस्थान के श्रीगंगानगर में नाबालिग लड़की के साथ 30 से अधिक लोगों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म, अगस्त में दिल्ली की चलती बस में दुष्कर्म तथा सितंबर में संत स्वरूप नगर में दुष्कर्म एवं हत्या की घटनाओं के साथ-साथ पश्चिम बंगाल के बारुईपुर दुष्कर्म-हत्याकांड, सारण और बेगूसराय के सामूहिक दुष्कर्म जैसे मामलों को देश अभी भूल भी नहीं पाया था कि बक्सर में कथित शिक्षकों द्वारा दर्जनों छात्राओं के साथ कथित यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया। इसी बीच जमुई की घटना ने एक बार फिर महिला सुरक्षा और नारी अस्मिता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। छेड़छाड़ और दुष्कर्म जैसे महिला उत्पीड़न के अनेक मामले लोक-लज्जा, सामाजिक दबाव और भय के कारण थानों तक पहुँच ही नहीं पाते। जो मामले दर्ज होते हैं, वे समस्या की पूरी तस्वीर नहीं दिखाते। यौन हिंसा का सबसे भयावह रूप तब सामने आता है, जब दुष्कर्म के साथ हत्या या सामूहिक दुष्कर्म जैसी घटनाएँ जुड़ जाती हैं और यौन अपराध सीधे जीवन के अधिकार पर हमला बन जाता है।

वर्ष 2024 के आंकड़ों पर आधारित, वर्ष 2026 में जारी एनसीआरबी की हालिया रिपोर्टके अनुसार देश में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4.41 लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए थे, जिसमें घरेलू हिंसा, अपहरण और अन्य अपराध शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार, अपराध दर (प्रति लाख आबादी) 66.2 से घटकर 64.6 होने के बावजूद रेप के पंद्रह हजार से अधिक मामले दर्ज हुए। इस हिंसा का सबसे क्रूर चेहरा तब दिखता है जब मर्डर विद रेप/गैंगरेप के सैकड़ों मामले सामने आते हैं. जहां यौन अपराध सीधे हत्या में बदल जाते हैं।

हाल ही में चर्चित निठारी कांड के दोषी और मृत शरीर से यौनिक सुख प्राप्त करने के बाद उसे पकाकर खाने वाले दरिंदे सुरेंद्र कोली की मौत की खबर ने इस ओर फिर से ध्यानाकर्षित किया है। ऐसे दरिंदे हमारे तथाकथित सभ्य समाज में हमारे बीच ही रहते हैं। कानून सशक्त होने के बावजूद आए दिन शर्मसार करने वाली घटनाएं परिलक्षित होती है। दो वषीर्या कन्या से साठ साल की वृद्धा तक ऐसे यौनिक कुंठा से ग्रस्त मानसिक रोगियों का शिकार हो रहे हैं। गौरतलब है कि अधिकांश मामलों में बलात्कारियों का कोई आपराधिक इतिहास नहीं होता। कई मामलों में आरोपी पड़ोसी, रिश्तेदार, परिचित, मित्र या सहकर्मी के रूप में पीड़िता के आसपास ही मौजूद होते हैं। इसलिए केवल किसी अजनबी को खतरे के रूप में देखना पर्याप्त नहीं है। सामाजिक संबंधों के भीतर मौजूद जोखिमों के प्रति भी सजग रहना आवश्यक है।

गैंगरेप के मामलों में एक सवाल विशेष रूप से विचारणीय है,जब कई लोग किसी अपराध में शामिल होते हैं। तब क्या समूह में एक भी ऐसा व्यक्ति नहीं होता जिसकी चेतना और विवेक उसे तथा अपने साथियों को उस कुकृत्य से रोक सके? भीड़ में शामिल होकर व्यक्ति का विवेक समाप्त हो जाना समाज के लिए बेहद गंभीर चिंता का विषय है। यौन हिंसा को केवल व्यक्ति विशेष की मानसिकता अथवा चारित्रिक पतन का परिणाम मानकर समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता। इसके पीछे अनेक सामाजिक, पारिवारिक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक कारण हो सकते हैं। मोबाइल तकनीक और इंटरनेट की आसान उपलब्धता ने जहाँ सूचना और मनोरंजन को हमारी मुट्ठी में ला दिया है, वहीं अश्लील सामग्री, आपत्तिजनक रीलों, पोर्नोग्राफिक वेबसाइटों तथा बिना पर्याप्त अभिभावकीय निगरानी के डिजिटल सामग्री तक पहुँच ने नई चुनौतियाँ भी पैदा की हैं। वेब सीरीज या किसी एक माध्यम को सीधे दुष्कर्म का कारण मानना उचित नहीं होगा, लेकिन यौनिक सामग्री के अनियंत्रित और कम उम्र में संपर्क के प्रभाव पर गंभीर सामाजिक विमर्श और शोध की आवश्यकता अवश्य है। इसी तरह शराब और अन्य नशीले पदार्थों के दुरुपयोग को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। नशा अपराध का स्वतः कारण नहीं है, लेकिन कई हिंसक घटनाओं में नशे की भूमिका जोखिम को बढ़ाने वाले कारक के रूप में सामने आ सकती है।

कानून का सशक्त होना आवश्यक है, लेकिन केवल कानून बना देने से समाज सुरक्षित नहीं हो जाता। कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ बच्चों और युवाओं में लैंगिक संवेदनशीलता, सहमति की समझ, पारिवारिक संवाद, डिजिटल साक्षरता और नैतिक शिक्षा को भी मजबूत करना होगा। परिवार, विद्यालय, समाज, प्रशासन और डिजिटल मंचों,सभी को अपनी-अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। नारी को केवल भोग की वस्तु नहीं, बल्कि समान अधिकार और गरिमा रखने वाले मनुष्य के रूप में देखने की सामाजिक दृष्टि विकसित करनी होगी। जब तक स्त्री की इच्छा, सहमति और सम्मान को व्यवहार का अनिवार्य हिस्सा नहीं बनाया जाएगा, तब तक कानून और तकनीक दोनों अकेले इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं दे सकते।

बस्तर में बारिश थमी, लेकिन नदियां उफान पर ; प्रशासन अलर्ट

खतरे के निशान से 4.26 मीटर ऊपर पहुंच सकता है इंद्रावती का जलस्तर, सुरक्षा के मद्देनजर कई इलाकों की विद्युत आपूर्ति बंद, प्रशासन और राहत दल चौबीसों घंटे सक्रिय

कलेक्टर-एसपी ने किया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का सघन भ्रमण और राहत शिविरों की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

नई दृष्टिबिंदु / बस्तर

बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान अर्नब के असर से बस्तर अंचल में पिछले कुछ दिनों से जारी मूसलाधार बारिश पर भले ही विराम लग गया है, लेकिन बाढ़ का खतरा अभी टला नहीं है। ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों से लगातार बड़ी मात्रा में पानी की आवक के कारण इंद्रावती सहित अंचल की प्रमुख नदियां और नाले उफान पर हैं। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों के साथ लगातार निगरानी की जा रही है। वहीं जलभराव वाले क्षेत्रों में संभावित विद्युत दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कई इलाकों में एहतियातन बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई है।

इंद्रावती नदी का जलस्तर शनिवार रात 8 बजे तक 12.56 मीटर तक पहुंचने का अनुमान है, जो खतरे के निशान से करीब 4.26 मीटर अधिक हो सकता है। नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए तटीय और निचले रिहायशी क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। प्रशासन ने मैदानी अमले को संवेदनशील क्षेत्रों की चौबीसों घंटे निगरानी करने और आवश्यकता पड़ने पर प्रभावित लोगों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश दिए हैं।

बाढ़ के हालात के बीच कलेक्टर आकाश छिकारा और पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने लगातार दूसरे दिन प्रभावित क्षेत्रों का सघन भ्रमण कर जमीनी स्थिति का जायजा लिया। दोनों अधिकारियों ने डोंगाघाट और आसना सहित जलभराव से प्रभावित विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण किया। मार्गों पर जलभराव और आवागमन में अवरोध के बावजूद प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति की प्रत्यक्ष जानकारी ली और राहत कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने पनारापारा स्थित राहत शिविर पहुंचकर बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में ठहरने, भोजन, स्वच्छ पेयजल और चिकित्सा सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं की जानकारी ली। संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि राहत शिविरों में रह रहे परिवारों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और आवश्यक सुविधाएं लगातार उपलब्ध कराई जाएं।

कलेक्टर श्री छिकारा ने मैदानी अमले और सभी संबंधित विभागों को अलर्ट मोड पर रहने के साथ निचले एवं संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए हैं। राहत एवं बचाव दलों को सक्रिय रखते हुए जरूरत पड़ने पर तत्काल कार्रवाई करने तथा प्रभावित परिवारों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करने कहा गया है। पुलिस और प्रशासनिक अमला भी चौबीसों घंटे स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

सुरक्षा के लिए कई क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति बंद

बाढ़ और जलभराव के कारण संभावित विद्युत दुर्घटनाओं को रोकने के लिए छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी ने जगदलपुर शहर के कई क्षेत्रों में एहतियातन विद्युत आपूर्ति बंद की है। जगदलपुर शहर के कार्यपालन अभियंता नंद कुमार भगत ने बताया कि 11 केवी हाउसिंग बोर्ड फीडर, 11 केवी गणपति फीडर और 11 केवी पथरागुड़ा फीडर से जुड़ी विद्युत आपूर्ति सुरक्षा की दृष्टि से बंद रखी गई है।

इसके कारण हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र, 440 फ्लैट्स एवं आसपास के इलाके, खपराभट्टी, आमागुड़ा चौक से एनएमडीसी चौक, गणपति रिसॉर्ट, चिमनी भट्टी और गिल बाड़ा सहित कई क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित है। इसके अलावा सुगम, रिलायंस एवं सोढ़ी पेट्रोल पंप क्षेत्र तथा लालबाग, बैंक कॉलोनी और वीआईपी कॉलोनी में भी बिजली आपूर्ति बंद है। विद्युत वितरण कंपनी की तकनीकी टीमें स्थिति पर लगातार नजर रखते हुए आवश्यक संधारण कार्य में जुटी हैं। जलस्तर कम होने और सुरक्षा की दृष्टि से परिस्थितियां सामान्य होने के बाद प्रभावित क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से विद्युत आपूर्ति बहाल की जाएगी।

उफनते नदी-नालों से दूर रहने की अपील

प्रशासन ने नागरिकों से बाढ़ की स्थिति को देखते हुए विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। लोगों से उफनते नदी-नालों और जलमग्न पुल-पुलियों को पार नहीं करने, जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने तथा बिजली के खंभों, तारों और ट्रांसफार्मरों के पास नहीं जाने को कहा गया है। किसी भी आपात स्थिति में नागरिकों से आपदा नियंत्रण कंट्रोल रूम अथवा संबंधित क्षेत्र के राजस्व अधिकारियों को तत्काल सूचना देने का आग्रह किया गया है। बारिश थमने के बावजूद नदियों के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन, पुलिस, राहत-बचाव दल और विद्युत वितरण कंपनी का अमला प्रभावित क्षेत्रों में लगातार सक्रिय है। राहत शिविरों में आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ संवेदनशील इलाकों पर चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा रही है।

नारायणपुर में माड़ीन नदी के बीच पेड़ पर फंसे ग्रामीण का सफल रेस्क्यू

नारायणपुर जिले में लगातार जारी मूसलाधार बारिश के चलते नदियां उफान पर हैं। इस बीच, माड़ीन नदी के अचानक बढ़ते जलस्तर के कारण ग्राम तारागांव में बाढ़ के पानी के बीच फंसे 55 वर्षीय ग्रामीण को जिला प्रशासन, पुलिस और नगर सेना की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सकुशल बाहर निकाल लिया। वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देश तथा कलेक्टर के मार्गदर्शन में चलाए गए इस रेस्क्यू ऑपरेशन में बचाव दल ने अदम्य साहस का परिचय दिया।

बैल खोलने गए थे खेत, पेड़ ने बचाई जान : प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम तारागांव निवासी गोपी राम पटेल (55 वर्ष) नदी किनारे स्थित अपने खेत में बंधे बैल को खोलने गए थे। उसी दौरान नदी का जलस्तर अप्रत्याशित रूप से तेजी से बढ़ गया, जिससे वे चारों तरफ से पानी से घिर गए। जान बचाने के लिए वे पास ही स्थित एक आम के पेड़ पर चढ़ गए और घंटों उसी के सहारे फंसे रहे। सूचना मिलते ही एसडीओपी छोटेडोंगर, जिला सेनानी (नगर सेना) के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी धौड़ाई के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद टीम ने सूझबूझ से गोपी राम को सुरक्षित निकाल लिया। रेस्क्यू के बाद उन्हें तुरंत धौड़ाई स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उनके स्वास्थ्य की जांच की और भोजन उपलब्ध कराया।

जिले के ओरछा विकासखंड अंतर्गत ग्राम कलमानार में भी नदी का जलस्तर खतरे के निशान के पास पहुंच गया है। सम्भावित आपदा को देखते हुए प्रशासन ने संवेदनशीलता दिखाते हुए नदी किनारे बसे 09 परिवारों को समय रहते सुरक्षित स्थानों और उनके रिश्तेदारों के यहाँ शिफ्ट करा दिया है। प्रशासन की टीमों द्वारा प्रभावित परिवारों की सुरक्षा और बुनियादी जरूरतों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

आपात स्थिति के लिए कंट्रोल रूम नंबर जारी: भारी बारिश के अलर्ट को देखते हुए जिला प्रशासन ने नागरिकों से सतर्कता बरतने की अपील की है। लोगों को उफनते नदी-नालों, निचले इलाकों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी आपात स्थिति या जलभराव की सूचना देने के लिए जिला कंट्रोल रूम के दूरभाष क्रमांक 07781-252214 पर संपर्क किया जा सकता है।

बाढ़ आपदा में राहत का केंद्र बना धमतरी का स्किल डेवलपमेंट सेंटर, 15 परिवारों को मिला सुरक्षित सहारा

धमतरी। प्रदेश भर में जारी मूसलाधार बारिश के बीच धमतरी जिले में आपदा प्रबंधन का अनुकरणीय उदाहरण सामने आया है। जलभराव और बाढ़ की स्थिति से बेघर हुए 15 प्रभावित परिवारों के 54 सदस्यों को सुरक्षित निकालकर कोलियरी स्थित श्मधुरिमाश स्किल डेवलपमेंट सेंटर में बनाए गए राहत शिविर में ठहराया गया है। संकट की इस घड़ी में यह सेंटर प्रभावितों के लिए एक बड़ा संबल साबित हो रहा है। जिला प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए राहत शिविर में भोजन, चाय-नाश्ता, विश्राम, स्वच्छ पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाओं का पुख्ता इंतजाम किया है। शिविर में विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जा रहा है, ताकि उन्हें सुरक्षित वातावरण के साथ-साथ अपनेपन और भरोसे का अहसास हो सके। मैदानी व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और एसडीएम धमतरी लगातार राहत शिविर का निरीक्षण कर रहे हैं। दोनों अधिकारी प्रभावित परिवारों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को सुन रहे हैं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही दिशा-निर्देश जारी कर रहे हैं। धमतरी जिला प्रशासन ने राज्य के नागरिकों और स्थानीय निवासियों से अपील की है कि वे उफान पर बह रहे नदी-नालों, जलभराव वाले क्षेत्रों और तेज बहाव वाले स्थानों से उचित दूरी बनाए रखें। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्रशासनिक व बचाव दल से संपर्क कर सहयोग करें।

गंगरेल बांध के सभी 14 गेट खुले, महानदी के तटीय क्षेत्रों में प्रशासन अलर्ट मोड पर

मुख्यमंत्री साय के निर्देश पर कलेक्टर-एसपी ने संभाला मोर्चा, संवेदनशील क्षेत्रों का किया निरीक्षण

धमतरी गंगरेल बांध के सभी 14 गेट खोले जाने और जांजगीर-चांपा जिले में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निदेर्शानुसार जांजगीर कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने महानदी के तटीय और संवेदनशील क्षेत्रों का मैदानी निरीक्षण कर जलस्तर, नदी के बहाव और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर और एसपी संबंधित अधिकारियों से लगातार फीडबैक लेकर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और आवश्यकता के अनुरूप दिशा-निर्देश दे रहे हैं। कलेक्टर-एसपी ने राजस्व, पुलिस, जल संसाधन, नगर सेना सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों को पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। नदी के जलस्तर और तटीय क्षेत्रों की स्थिति पर सतत निगरानी रखने के साथ ही किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने के लिए आवश्यक संसाधन और उपकरण तैयार रखने कहा गया है।

शिवरीनारायण में SDRF की टीम तैनात, DDRF बिलासपुर से लगातार समन्वय

जिले में बाढ़ एवं आपदा की संभावित स्थिति से निपटने के लिए होमगार्ड जवानों की जिला आपदा प्रतिक्रिया बल की दो टीमों को तैयार रखा गया है। इनमें से एक टीम को मोटर बोट एवं अन्य आवश्यक बचाव उपकरणों के साथ शिवरीनारायण में तैनात किया गया है, जबकि दूसरी टीम जिला मुख्यालय में रिजर्व रखी गई है। इसके साथ ही एसडीआरएफ बिलासपुर से लगातार संपर्क और समन्वय बनाए रखा जा रहा है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल अतिरिक्त सहायता प्राप्त की जा सके।

कलेक्टर-एसपी ने शिवरीनारायण क्षेत्र में महानदी के शिवरीनारायण बैराज, घाट, पुल, सांस्कृतिक भवन और बसंतपुर बैराज सहित विभिन्न संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण किया। सुरक्षा की दृष्टि से घाटों और पुलों पर बैरिकेडिंग की गई है तथा आवश्यक संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। अधिकारियों को नदी के जलस्तर और बहाव पर लगातार नजर रखने तथा परिस्थिति के अनुरूप सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के

दौरान नदी पर स्थित पुल-पुलियों और आवागमन वाले क्षेत्रों की स्थिति का भी जायजा लिया गया। कलेक्टर-एसपी ने निर्देश दिए कि यदि किसी पुल या पुलिया पर पानी का बहाव आवागमन के लिए जोखिमपूर्ण हो तो तत्काल यातायात नियंत्रित किया जाए और आवश्यकता पड़ने पर आवागमन पूरी तरह रोका जाए। ऐसे सभी स्थानों पर सतत निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

कलेक्टर ने महानदी के तटीय क्षेत्रों और पूर्व में जलभराव से प्रभावित आबादी वाले इलाकों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। ग्रामीणों को संभावित जलभराव और आवश्यक सावधानियों की जानकारी मुनादी के माध्यम से देने कहा गया है। आवश्यकता पड़ने पर प्रभावित लोगों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए पूर्व से चिन्हांकित स्थानों पर जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित रखने के निर्देश भी दिए गए हैं।

नदी और तेज बहाव वाले क्षेत्रों से दूर रहें, सेल्फी-वीडियो के लिए जोखिम न उठाएं

कलेक्टर-एसपी ने नागरिकों से अपील की है कि वे नदी, पुल-पुलियों और तेज बहाव वाले क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से न जाएं। तेज बहाव वाले पानी के पास सेल्फी या वीडियो बनाने का जोखिम न उठाएं और प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निदेर्शों का पालन करें। किसी भी आकस्मिक अथवा आपात स्थिति की जानकारी तत्काल जिला प्रशासन या संबंधित अधिकारियों को दें, ताकि समय पर राहत एवं बचाव कार्रवाई की जा सके। वर्तमान में जिले में स्थिति सामान्य है। एहतियात के तौर पर महानदी के तटीय क्षेत्रों, पुल-पुलियों और जलस्तर पर प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को पूरी तरह सतर्क रहने और किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार पोयाम, एसडीएम सुश्री भावना साहू सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर बस्तर में राहत-बचाव और स्वास्थ्य सेवाएं तेज

बस्तर संभाग में भारी बारिश और बाढ़ से उत्पन्न परिस्थितियों के बीच मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग और राहत एवं बचाव दल प्रभावित क्षेत्रों में सक्रिय हैं। बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के साथ राहत शिविरों में भोजन, पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। पानी उतरने के बाद संभावित जलजनित एवं संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए भी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की कमी न रखने के निर्देश दिए हैं। प्रभावित परिवारों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने और स्वास्थ्य विभाग की टीमों को लगातार

निगरानी रखने के लिए कहा गया है। इसी क्रम में राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर सोनारपाल के पास बाढ़ के बीच फंसे करीब आधा दर्जन ट्रक चालकों और परिचालकों को राहत एवं बचाव दल ने सुरक्षित बाहर निकाला। जगदलपुर-रायपुर मार्ग पर कई फीट पानी भर जाने से लगभग पांच ट्रक फंस गए थे। लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण चालकों और परिचालकों ने ट्रकों की छत पर शरण ली और वीडियो के माध्यम से प्रशासन से मदद की अपील की।

सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस और बचाव दल ने स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से अभियान शुरू किया। तेज बहाव और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद लाइफ जैकेट एवं अन्य बचाव उपकरणों की मदद से सभी को सुरक्षित बाहर निकाला गया। रेस्क्यू के बाद उन्हें गणेश मंदिर पहुंचाया गया, जहां सूखे कपड़े, गर्म भोजन, पेयजल और ठहरने की व्यवस्था की गई। इधर, जगदलपुर और नगरनार के राहत शिविरों में स्वास्थ्य विभाग की टीमें सेवाएं दे रही हैं। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. मैत्री के नेतृत्व में शहरी स्वास्थ्य विभाग की टीम और मितानिनों ने भगत सिंह वार्ड, भैरमगंज, पंचपथ और प्रवीरचंद्र वार्ड सहित विभिन्न शिविरों में बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाइयां भी दी गईं। नगरनार क्षेत्र में नदी बोड़ना गांव के बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों को सुरक्षित निकालकर शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बनाए गए राहत शिविर में रखा गया है। यहां स्वास्थ्य परीक्षण, दवाइयों, स्वच्छ पेयजल, ओआरएस और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की गई है।

बाढ़ का पानी उतरने के बाद बीमारियों के संभावित खतरे को देखते हुए गांवों में विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री रीना लक्ष्मी को मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों एवं विशेषज्ञों के सहयोग से प्रभावित गांवों में सघन स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। इन शिविरों में उल्टी-दस्त, डायरिया, पीलिया, टायफाइड, त्वचा संबंधी फंगल एवं बैक्टीरियल संक्रमण सहित अन्य जलजनित बीमारियों की जांच और उपचार किया जाएगा। सर्पदंश एवं पशुदंश की आशंका को देखते हुए एंटी-वेनम और जरूरी जीवनरक्षक दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

चक्रवाती तूफान 'अर्नब' का असर | बाढ़ आपदा प्रबंधन दल ने शनिवार को 130 प्रभावितों का किया रेस्क्यू

बस्तर में डैम से पानी छोड़े जाने के कारण बढ़ी बाढ़ की संभावना

नई दृष्टिबिंदु / बस्तर

चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के व्यापक प्रभाव से हुई भारी बारिश के बाद डैम से लगातार पानी छोड़े जाने के चलते बस्तर जिले में बाढ़ की स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है। हालांकि स्थानीय स्तर पर ऊपर से बारिश का दौर फिलहाल थमा हुआ है, लेकिन मौसमी समीकरण और ऊपरी क्षेत्रों में बने भारी दबाव के बाद बांधों से छोड़े जा रहे अत्यधिक जलप्रवाह के कारण नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे जलभराव का दायरा नए रिहायशी और ग्रामीण इलाकों तक फैल गया है।

इस विषम परिस्थिति से निपटने के लिए प्रशासन द्वारा राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है। चलाए जा रहे निरंतर अभियानों के तहत शनिवार को

दिनभर में 130 प्रभावित लोगों को सुरक्षित निकालकर शिविरों तक पहुँचाया गया, जबकि इससे ठीक एक दिन पूर्व भी 88 लोगों का सफल रेस्क्यू किया गया था। संवेदनशील और जलमग्न दो से तीन इलाकों में अभी भी बचाव टीमें मुस्तैदी से जुटी हुई हैं और रेस्क्यू ऑपरेशन निरंतर गति से जारी है।

बाढ़ से प्रभावित नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने और उन्हें सभी आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही भोजन मुहैया कराने के लिए प्रशासन ने शहरी और ग्रामीण अंचलों में कुल 43 राहत शिविर स्थापित किए हैं, जहाँ वर्तमान में साढ़े चार हजार से अधिक प्रभावितों को रखा गया है। तूफान के प्रभाव और बांध से आ रहे जलप्रवाह की स्थिति को देखते हुए राहत दल पूरी सतर्कता के साथ हालात पर नजर रखे हुए हैं। साथ ही प्रभावितों के राहत कार्य में सक्रियता के साथ जुटे हुए हैं।

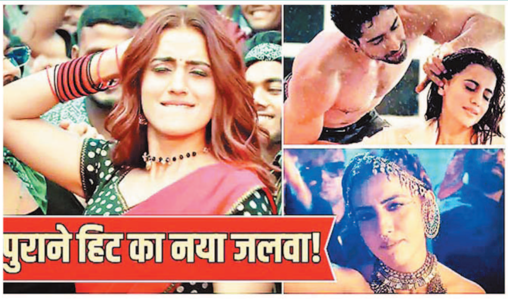

भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री में इन दिनों एक बार फिर पुराने हिट गानों का जादू लौटता नजर आ रहा है और इस बार चर्चा में है, 21 साल पुराना सुपरहिट गाना. हम जिस गाने की बात कर रहे हैं, वो है 'एगो चुम्मा ले ला राजा जी'. कभी अपनी लिरिक्स और देसी अंदाज के चलते सुर्खियों में रहने वाला ये गाना अब नए अवतार में वापसी करने जा रहा है. खास बात ये है कि इस आइकॉनिक ट्रैक को रीमिक्स करके ला रही हैं भोजपुरी की ग्लैमरस और पॉपुलर एक्ट्रेस अक्षरा सिंह, जिनका अंदाज पहले ही फैंस के दिलों पर राज करता है.

अक्षरा सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री का पॉपुलर नाम हैं, सिनेमा में एक्टिव होने के साथ ही साथ वो सोशल मीडिया पर भी चर्चा में रहती हैं. हाल ही अक्षरा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने अपकमिंग सॉन्ग की अनाउंसमेंट की है और साथ ही में इस गाने का टीजर रिलीज किया है. इस टीजर ने सोशल मीडिया पर आते ही तहलका मचा दिया. टीजर में अक्षरा सिंह के साथ एक्टर सनम जौहर नजर आ रहे हैं. गाने की बात करें, तो इसे कल्पना पटवारी ने गाया है.हालांकि, अक्षया सिंह के गाने का टाइटल, 'चुम्मा ले ला राजा जी' है, जिसकी रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है. वहीं असल गाने की बात करें, तो ये गाना साल 2005 में रिलीज हुआ था, उस वक्त इस गाने को खूब पसंद किया गया था. इस नए वर्जन के लिए भी उसी गाने का इस्तेमाल किया गया है, लेकिन टीजर देखने से ये अंदाजा लगाया जा रहा है कि गाने के कुछ-कुछ बोल भी बदले गए हैं. लोग इस गाने के लिए एक्साइटेड हैं.कमाल की बात है कि पुराने गाने की झलक को बरकरार रखते हुए उसमें मॉडर्न टच दिया है. यही वजह है कि पुराने दौर के फैंस को जहां नॉस्टैल्जिया फील हो रहा है, वहीं नई जनरेशन भी इस गाने को लेकर काफी एक्साइटेड नजर आ रही है. अक्षरा सिंह इस गाने को नए म्यूजिक, बीट्स और विजुअल्स के साथ पेश करने जा रही हैं, जिससे इसकी पॉपुलैरिटी और भी बढ़ने की उम्मीद है. टीजर में दिख रहे दमदार डांस मूव्स और हाई एनर्जी बीट्स इस बात का इशारा दे रहे हैं कि पूरा गाना रिलीज होते ही वायरल होने वाला है।

दो-दो तलाक के बाद 'जिंदगी बहुत मुश्किल हो गई': चाहत खन्ना

टीवी एक्ट्रेस चाहत खन्ना अब कम ही छोटे पर्दे पर नजर आती हैं. हालांकि सोशल मीडिया पर वो काफी एक्टिव रहती हैं. चाहत अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी काफी सुर्खियों में रह चुकी हैं. उनकी पहली शादी ज्यादा लंबी नहीं चली थी. महज 4 महीने के अंदर ही उन्होंने तलाक ले लिया था. फिर उन्होंने अपनी जिंदगी की नई शुरुआत की और दोबारा शादी की. लेकिन उनके इस रिश्ते का अंत भी तलाक ही निकला. दो-दो तलाक के बाद लोग अब उनके बारे में क्या सोचते हैं इस पर उन्होंने खुलकर बात की. एक्ट्रेस ने बताया कि कोई उनके साथ काम तक नहीं करना चाहता है.

हाल ही में हाउटरफ्लाई के साथ एक इंटरव्यू में चाहत ने अपने दर्दनाक तलाक के बारे में बात की और याद किया कि इस वजह से लोग उनके साथ काम करने से मना कर देते थे. चाहत ने कहा कि तलाक और सेपरेशन कभी भी आसान नहीं होते, खासकर तब जब बच्चे हों. उन्होंने आगे कहा, मेरा दूसरा डिवोर्स बहुत मुश्किल था. मेरी एक बेटी फरहान के साथ रहती है और एक मेरे साथ रहती है और हम अच्छे रिलेशन रखते हैं. हम बच्चों के लिए एक-दूसरे से बात करते हैं क्योंकि वे हमारी ज़िम्मेदारी हैं.

चाहत की बदल गई जिंदगी

चाहत ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर आगे कहा, किसी भी तरह का तलाक दर्दनाक होता है. ये बिल्कुल भी आसान नहीं है. साथ ही, अगर आप एक जाने-माने व्यक्ति हैं, तो दूसरों का सामना करना मुश्किल हो जाता है. कई बार ऐसा हुआ जब मैं लोगों के सामने जाना नहीं चाहती थी क्योंकि मुझे पता था कि वे मुझे जज करेंगे. मैंने अपने दोनों एक्स पतियों से कोई एलिमनी नहीं ली है. लेकिन फिर भी लोग मुझे गोल्ड डिगर कहते हैं. मैं सोचती थी, गोल्ड कहां है? लोग मुझे मैसेज करते हैं और मुझे डी.एम. करते हैं, कहते हैं कि मैं एलिमनी पर जी रही हूं. ये भी एक टैबू की तरह है.

लोगों ने काम करने से किया मना ङ्क चाहत

उन्होंने इंडस्ट्री में तलाक को लेकर बन चुकी सोच को लेकर कहा, बहुत से लोग मेरे साथ काम नहीं करना चाहते थे. आपका नाम बैड लाइट में है तो बहुत से लोग आपके साथ जुड़ना नहीं चाहते. आपके पर्सनल अफेयर्स इतने मीडिया में हैं तो लोगों को आपके साथ काम नहीं करना है. ए-लिस्ट प्रोडक्शन हाउस आपके साथ काम नहीं करेंगे. मैनेजर लेवल के लोगों ने मुझे मेरे मुंह पर कहा कि वे प्रेस और मीडिया में चल रही बातों के चलते मेरे साथ काम नहीं कर सकते।

मौनी रॉय को सड़क पर चलते हुए ऑफर हुआ था पहला टीवी शो

मौनी रॉय ने 2006 में टीवी शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी से डेब्यू किया था. शो को एकता कपूर ने बनाया था. इस शो से मौनी पहचान मिली. शो में वो पुलकित सम्राट के अपोजिट कृष्णा तुलसी के रोल में थीं. लेकिन आपको पता है कि ये शो मौनी को कैसे मिला था?उस वक्त मौनी 19 साल की थीं. मौनी ने बताया था कि वो अपने कॉलेज के बाहर खड़ी थी, तभी किसी ने उनके कंधे पर हाथ रखा और उनसे पूछा कि क्या वो ऑडिशन देना चाहती हैं इस शो के लिए.

एक्ट्रेस मौनी रॉय आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. टीवी से लेकर फिल्मों तक में एक्ट्रेस ने अपनी जगह बनाई और खूब नेम-फेम कमाया. एक्ट्रेस को टीवी में नागिन के रोल के लिए भी जाना जाता है. आइए नजर डालते हैं एक्ट्रेस की करियर जर्नी पर.

मौनी रॉय ने 2006 में टीवी शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी से डेब्यू किया था. शो को एकता कपूर ने बनाया था. इस शो से मौनी पहचान मिली. शो में वो पुलकित सम्राट के अपोजिट कृष्णा तुलसी के रोल में थीं. लेकिन आपको पता है कि ये शो मौनी को कैसे मिला था?

उस वक्त मौनी 19 साल की थीं. मौनी ने बताया था कि वो अपने कॉलेज के बाहर खड़ी थी, तभी किसी ने उनके कंधे पर हाथ रखा और उनसे पूछा कि क्या वो ऑडिशन देना चाहती हैं इस शो के लिए.

मौनी ने कहा, मैं इस शो को समर जॉब की तरह करना चाहती थी. जिसे मैं कैंपस वापस जाने के बाद छोड़ देती. लेकिन मुझे ये काम इतना पसंद आया कि मैं छोड़ ही नहीं पाई. मैं उस वक्त सिर्फ 3-4 घंटे की नींद के साथ काम करती थी. लेकिन मुझे पंसद आता था. मैंने लंबे समय तक सिर्फ एकता का ये शो किया. मुझे बहुत मजा आने लगा और मैं थकी होने के बावजूद भी शूट पर जाती थी. इस शो के लिए मौंने को 1.5 लाख रुपये फीस मिलती थी.इसके बाद मौनी ने डांस रियलिटी शो जरा नचके दिखा में हिस्सा लिया. मौनी ने ये शो जीता भी था. फिर मौनी ने कस्तूरी, पति पत्नी और वो, दो सहेलियां जैसे शोज किए. 2011 में उन्होंने पंजाबी फिल्म ।।द्गह्य ।।द्बह्लद्यद्गह्ल द्बठ्ठ स्श1द्ग की. फिर मौनी ने शो देवों के देव...महादेव में सती का रोल निभाया. इस रोल को बहुत पसंद किया गया. उन्होंने जुनून-ऐसी नफरत तो कैसा इशक, झलक दिखला, नागिन जैसे शोज किए.मौनी रॉय की फिल्मों की बात करें तो उन्होंने 2004 में फिल्म रन में डांसर का रोल प्ले किया था. वो एक गाने में दिखी थीं. इसके बाद 2011 में वो पंजाबी फिल्म हीरो हिटलर इन लव में दिखीं. 2016 में उन्होंने फिल्म तुम बिन 2 में कैमियो किया. फिर 2018 में उन्होंने फिल्मों में डेब्यू किया. वो फिल्म गोल्ड में दिखीं. फिल्म में अक्षय कुमार लीड रोल में थे. मौनी अक्षय कुमार की हीरोइन बनीं. इसके बाद मौन ने केजीएफ- चैप्टर 1, रोमियो अकबर वॉल्टर, मेड इन चाइना, लंदन कॉन्फिडेंशियल, वेल्ले, ब्रह्मास्त्र पार्ट- 1, लव सेक्स और धोखा 2, ब्लैकआउट, वेदा, द भूतनी, है जवानी तो इश्क होना है जैसी फिल्में की।

बिग बॉस हारने वाले वो कंटेस्टेंट्स, जो पॉपुलैरिटी में जीत गए

बिग बॉस टेलीविजन के सबसे पॉपुलर शो में से एक है. इस शो में कई ऐसे कंटेस्टेंट्स आए हैं, जिन्होंने शो तो नहीं जीता, लेकिन दर्शकों का दिल जरूर जीता था. चलिए जानते हैं ऐसे ही 5 कंटेस्टेंट्स के बारे में.

शहनाज़ गिल बिग बॉस के सीजन 13 में नजर आई थीं. शो में उनकी पर्सनैलिटी को लोगों ने काफी पसंद किया. एक्ट्रेस टॉप 5 तक पहुंची थीं. भले ही शहनाज ने शो न जीता हो, लेकिन उन्होंने पॉपुलैरिटी में सबको पीछे छोड़ दिया. आज शहनाज बड़े-बड़े सेलेब्स के साथ काम कर रही हैं.

नोरा फतेही ने 'बिग बॉस 9' में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर एंट्री की थी. वह शो में ज्यादा लंबा सफर तय नहीं कर पाई, लेकिन अपने शानदार डांस और ग्लैमरस अंदाज से उन्होंने दर्शकों का ध्यान जरूर खींचा. इस शो ने लोगों को उनके डांसिंग टैलेंट से रूबरू कराया और आज वो बॉलीवुड में एक बड़ा नाम हैं.

'बिग बॉस 13' में आसिम रियाज़ अपनी मजबूत सोच और बेबाक रवैये की वजह से खूब चर्चा में रहे थे. सिद्धार्थ शुक्ला के साथ उनकी लगातार तकरार ने शो को और दिलचस्प बना दिया. आसिम ने फिनाले तक पहुंचकर बतौर फर्स्ट रनर-अप अपना सफर खत्म किया. लेकिन शो के बाद वो काफी पॉपुलर हुए.

हिना खान ने 'बिग बॉस 11' में अपनी टीवी की 'संस्कारी बहू' वाली छवि से बिल्कुल अलग अंदाज दिखाया था. हिना शो की रनरअप रही थीं. भले ही वो शो न जीती हों लेकिन उन्होंने सबका दिल जरूर जीता था और आज वो एक बड़े नाम हैं.

प्रियंका चाहर चौधरी ने 'बिग बॉस 16' में अपनी मजबूत राय और गलत बातों के खिलाफ आवाज उठाने के अंदाज से पहचान बनाई. सबको लग रहा था कि वो शो की जीत जाएंगी. हालांकि, ऐसा नहीं हो पाया. एक्ट्रेस शो तो हार गईं, लेकिन पॉपुलैरिटी में जीत गईं. अब वो रिएलिटी शो राइज एंड फॉल में नजर आएंगी।

मिट्टी के बर्तनों से आत्मनिर्भर बन रहीं नीरा बाई, पारंपरिक हुनर को मिला नया विस्तार

सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से शासन की योजनाओं का मिल रहा लाभ, स्वरोजगार से हर माह लगभग 12 हजार रुपए की आय

नई दृष्टिबिंदु / मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी

सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से शासन की योजनाओं का लाभ लेकर जिले की महिलाएं अपने पारंपरिक हुनर और कौशल को स्वरोजगार से जोड़ते हुए आत्मनिर्भरता की नई राह पर आगे बढ़ रही हैं। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के ग्राम गोटाटोला निवासी श्रीमती नीरा बाई कुम्भकार ऐसी ही महिला हैं, जिन्होंने स्व सहायता समूह से जुड़कर मिट्टी के बर्तन बनाने के अपने पारंपरिक कार्य को व्यवसाय का रूप दिया और आर्थिक रूप से सशक्त बनने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

श्रीमती नीरा बाई नवदुर्गा स्वसहायता समूह से जुड़ी हैं। समूह से मिले आर्थिक सहयोग और ऋण सुविधा का लाभ उठाकर उन्होंने मिट्टी के बर्तन बनाने के कार्य का विस्तार किया। अब तक उन्होंने समूह के माध्यम से लगभग 1 लाख रुपए का ऋण लेकर अपने व्यवसाय में आवश्यक संसाधन जुटाए और उत्पादन को बढ़ाया है। निरंतर मेहनत और अपने हुनर के दम पर आज उन्हें इस स्वरोजगार से लगभग 12 हजार रुपए प्रतिमाह की आय प्राप्त हो रही है। पहले पारंपरिक कार्य तक सीमित उनका यह हुनर अब परिवार की आर्थिक मजबूती का आधार बन रहा है। मिट्टी को आकार देकर उपयोगी और आकर्षक बर्तन तैयार करने वाली नीरा बाई अपने काम के जरिए परिवार की जरूरतों को पूरा करने में आर्थिक योगदान दे रही हैं। स्वरोजगार ने न केवल उनकी आय बढ़ाई है, बल्कि उनके भीतर आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की भावना को भी मजबूत किया है।

नीरा बाई बताती हैं कि स्वसहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें अपने पारंपरिक कार्य को आगे बढ़ाने के लिए आर्थिक सहयोग और नया अवसर मिला। समूह के माध्यम से उपलब्ध सहायता से वे अपने काम का विस्तार कर सकीं और आज अपने पैरों पर खड़े होकर परिवार को आर्थिक संबल प्रदान कर रही हैं। उन्होंने महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने वाली योजनाओं और सहयोग के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

खास खबर

सौर ऊर्जा से बिजली बिल से मिली राहत, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से सेवक राम साहू का घर बना ऊर्जा आत्मनिर्भर

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

सेवकराम साहू ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेकर अपने घर की बिजली जरूरतों को सौर ऊर्जा से पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जिले के डोंगरगांव विकासखंड ग्राम अजुर्नी निवासी सेवक राम साहू ने बताया कि वे लगभग एक वर्ष पहले उन्होंने अपने घर में सोलर पैनल स्थापित कराया। इसके बाद उनके बिजली खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है और अब उन्हें लगभग बिजली बिल नहीं देना पड़ रहा है। सेवक राम साहू ने बताया कि सोलर पैनल लगवाने से पहले उनके घर का बिजली बिल लगभग 690 से 750 रूपए प्रतिमाह आता था। सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित होने के बाद अब बिजली बिल की राशि शून्य हो गई है।

सेवक राम ने बताया कि लगभग 2 लाख रूपए की लागत से सोलर पैनल स्थापित हुआ। इसमें उन्होंने 20 हजार रूपए स्वयं जमा किए, जबकि शेष राशि के लिए बैंक से वित्तीय सुविधा प्राप्त हुई। योजना के अंतर्गत उन्हें केंद्र सरकार से 78 हजार रूपए तथा राज्य सरकार से 30 हजार रूपए की सहायता मिली। इस प्रकार उन्हें कुल लगभग 1 लाख 8 हजार रूपए की सहायता प्राप्त हुई। साहू ने बताया कि शेष राशि की किस्त वे अपनी सुविधा के अनुसार चुका रहे हैं। इस तरह सौर ऊर्जा संयंत्र उनके परिवार के लिए बिजली खर्च कम करने के साथ-साथ भविष्य में आर्थिक बचत का माध्यम भी बन रहा है। सेवक राम साहू ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शासन की बहुत अच्छी पहल है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा अपनाकर परिवार बिजली के खर्च को कम कर सकते हैं और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में योगदान दे सकते हैं। साहू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों की सार्वजनिक जीवन की सेवा यात्रा के लिए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री की सेवा भावना के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए अपने घर में आशीर्वाद का दीया प्रज्वलित कर सेवा, ऊर्जा और उज्ज्वल भविष्य के प्रति अपनी सहभागिता व्यक्त की।

प्रशिक्षण लेकर दुर्गेश्वरी साहू ने हासिल किया रोजगार, मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना

राजनांदगांव। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत युवाओं को रोजगार के अवसर हासिल करने और आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न रोजगारपरक कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। योजना के माध्यम से युवाओं को उनकी रूचि एवं आवश्यकता के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत छुरिया विकासखंड के ग्राम सीताकसा की सुश्री दुर्गेश्वरी साहू ने जीडीए नर्सिंग का प्रशिक्षण प्राप्त किया और प्रशिक्षण उपरांत रोजगार मिल गया।

सुश्री दुर्गेश्वरी साहू ने बताया कि कक्षा 12वीं तक शिक्षा प्राप्त करने के बाद रोजगार के अवसर की तालाश शुरू की। इस दौरान मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत लाइवलीहुड कॉलेज राजनांदगांव में जीडीए नर्सिंग प्रशिक्षण की जानकारी मिली। उन्होंने प्रशिक्षण पूरा करने के बाद रोजगार के अवसर मिलने की जानकारी से प्रेरित होकर प्रशिक्षण के लिए आवेदन किया। प्रशिक्षण के लिए चयनित होने के बाद नियमित रूप से प्रशिक्षण में भाग लिया। जीडीए नर्सिंग का 618 घंटे का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया और परीक्षा भी उत्तीर्ण की। उन्हें प्रशिक्षण के बाद रायपुर के मित्तल हॉस्पिटल में रोजगार का अवसर मिला। आज दुर्गेश्वरी प्रतिमाह 6 हजार रूपए की आय अर्जित कर अपने सपनों को नई दिशा दे रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के माध्यम से रोजगार के अवसर मिलने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराने मूल्यांकन शिविर का हुआ आयोजन

शिविर में 125 वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांगजनों ने सहायक उपकरण के लिए कराया पंजीयन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा मेरा योगदान अंतर्गत समाज कल्याण विभाग तथा भारत सरकार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) द्वारा राष्ट्रीय वयोश्री योजना और एडिप योजना के तहत बहुउद्देशीय भवन मोहड़ में डोंगरगांव नगर पालिका परिषद एवं जनपद पंचायत क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को जीवन सहायक उपकरण उपलब्ध करने हेतु मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 125 से अधिक वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांगजनों ने सहायक उपकरण के लिए पंजीयन कराया।

पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत दिनेश गांधी ने सभी पात्र दिव्यांगजनों व वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए समाज कल्याण विभाग एवं एलिम्को द्वारा आयोजित मूल्यांकन शिविर में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पंजीयन कराने की अपील की। उन्होंने बताया कि समाज कल्याण विभाग एवं भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा 29 सितम्बर 2026 को लगभग 500 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरणों से लाभान्वित करने शिविर का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने जरूरतमंद दिव्यांगजनों से शिविर में उपस्थित होने का आग्रह किया। कार्यक्रम को उपाध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित भरत वर्मा, अध्यक्ष जनपद पंचायत डोंगरगढ़ श्रीमती रंजीता परौठी, सभापति जिला पंचायत जागृती चुन्नी यदु, उप सरपंच मोहड़ अंकुश देवांगन ने भी संबोधित किया।

उप संचालक समाज कल्याण श्रीमती वैशाली मरडवार ने बताया कि शिविर में पंजीकृत पात्र हितग्राहियों को पंजीकृत मोबाईल नंबर के माध्यम से सहायक उपकरण प्राप्त होने की तिथि की सूचना दी जाएगी। निर्धारित तिथि आयोजित सहायक उपकरण वितरण शिविर में हितग्राही को सहयोगी के साथ उपस्थित होना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि एलिम्को के तकनीकी टीम द्वारा चिन्हांकित वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को आवश्यक सहायक उपकरण प्रदान किया जाएगा। शिविर के माध्यम से व्हील चेयर, व्हील चेयर कमोड, स्टूल विथ कमोड, वाकिंग स्टीक एडजेस्टेबल, बैसाखी तीन साईज, टेट्रापेड, फोल्डिंग वाकर, सरवाईकल कालर, श्रवण यंत्र, स्पाईनल सपोर्ट, फुट केयर कीट, वनी ब्रेस, पोलीमर जेल, एल एस बेल्ट वाकर फोल्डिंग, चश्मा सहित अन्य सहायक उपकरण तथा दिव्यांगजनों को ट्रायसायकल, फोल्डिंग व्हील चेयर, मोटराईज ट्रायसायकल, बैसाखी, कोहनी साईज 1 एवं 2 बैसाखी छोटा, मिडियम व बड़ा साईज, वाकिंग स्टीक, ब्रेल केल फोल्डिंग, ब्रेल किट, रोलेटर, श्रवण यंत्र, सीपी चेयर, लेप्रोसी सू, मोबाईल फोन, सुगम्य केन टीएलएम किट, कैलिपर्स जॉय स्टिक व्हील चेयर सहित अन्य सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।

कार्यक्रम का संचालन सहायक ग्राम पंचायत अधिकारी विरेन्द्र तिवारी एवं अभार प्रदर्शन बाल कृष्ण बघेल द्वारा किया गया। शिविर में अन्य जनप्रतिनिधि जनपद पंचायत डोंगरगांव, नगर पंचायत डोंगरगांव, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांगजन, नागरिक उपस्थित थे।

साइबर क्राइम को रोकने के लिए लोगों को किया जा रहा जागरूक

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

15 अगस्त से 2 अक्टूबर 2026 तक साइबर जागृति अभियान साइबर क्राइम को रोकने के लिए लोगों तक संदेश पहुंचा जा रहा है, इस अभियान में बेमेतरा पुलिस का विशेष योगदान ।साइबर जागृति के छठवें सप्ताह में अधिकारियों एवं कर्मचारी को डाटा प्राइवेसी और सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जागरूकता से संदिग्ध लिंक पर क्लिक नहीं करने तथा फिशिंग प्रयासों से सावधान रहने के संबंध में दी गई जानकारी।

प्रदेश व्यापी इस अभियान में पुलिस अधीक्षक बेमेतरा त्रिलोक बंसल के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर हरीश यादव ।एसडीओपी बेमेतरा भूषण एकका ।एसडीओपी बेरला श्रीमती रुचि वर्मा के मार्गदर्शन में पुलिस टीम द्वारा शासकीय विभाग और न्यायालय और स्थानीय निकायों सरकारी संस्थाओं के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ आम नागरिकों को दी जा रही ।जानकारी गोपनीयता बनाए रखने तथा सोशल मीडिया पर जिम्मेदारी और सुरक्षित उपयोग के लिए किया गया जागरूक 20 से 26 सितंबर 2026 तक छठवां सप्ताह डाटा प्राइवेसी एवं सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग विषय पर केंद्रित यह कार्यक्रम बेमेतरा जिला के विभिन्न थाना एवं चौकी के क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस टीम द्वारा 25 और 26 को साइबर जागृति अभियान कई स्थानों में आयोजित हुआ।

इन कार्यक्रमों के माध्यम से साइबर फ्रॉड से बचने के उपाय और रोकने के तरीकों की जानकारी भी देकर लोगों को किया गया सतर्क लोगों से अपील। अनाधिकृत रूप से फोटो दस्तावेज और आधिकारिक जानकारी साझा करने से बचें। फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट की पहचान करने संदिग्ध लिंक पर क्लिक नहीं करने और फिशिंग प्रयासों से सावधान रहने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। ईमेल या सोशल मीडिया अकाउंट की विश्वसनीय की पुष्टि किए बिना उसे पर प्रतिक्रिया न करने और अपनी जानकारी साझा न करने के लिए ओटीपी एटीएम डेबिट कार्ड संबंधी जानकारी बैंक खाता विवरण यूपीआई पिन पासवर्ड और गोपनीय बैंकिंग जानकारी अनजान व्यक्तियों के साथ साझा नहीं करने की समझाइए दी गई। ऑनलाइन अपराध का शिकार होने पर घबराएं नहीं तत्काल इसकी सूचना पुलिस थाना साइबर सेल और हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कारण नेशनल साइबर क्राईम रिर्पोटिंग पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत भी दर्ज की जाती है।

पीएम मत्स्य संपदा योजना ने बदली जितेश की आर्थिक स्थिति, मत्स्य पालन के लिए मिला अनुदान

मत्स्य उत्पादन से 5 .50 लाख रूपए का हुआ शुद्ध लाभ

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना ग्रामीण क्षेत्रों में मत्स्य पालन को व्यवस्थित एवं लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जिले के विकासखंड छुरिया के ग्राम चांदो निवासी जितेश कुमार हेडाऊ ने योजना का लाभ लेकर मत्स्य पालन को विस्तार दिया है।

संवर्धन पोखर निर्माण से उन्हें मत्स्य पालन के लिए बेहतर सुविधा मिली और उनकी आय में वृद्धि का मार्ग प्रशस्त हुआ। हेडाऊ ने बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत संवर्धन पोखर निर्माण का लाभ लिया है। योजना के तहत 1 हेक्टेयर जलक्षेत्र विकसित किया गया। जिसमें शासन की ओर से उन्हें 2 लाख 80 हजार रूपए का अनुदान प्राप्त हुआ। योजना के सहयोग से मत्स्य पालन गतिविधियों को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने में मदद मिली। हेडाऊ ने बताया कि उनके द्वारा मछली पालन एवं विक्रय का कार्य किया जाता है। मत्स्य विक्रय से उन्हें 5 लाख 50 हजार रूपए का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त आय का उपयोग परिवार की आवश्यकताओं, बच्चों की शिक्षा तथा कृषि एवं मत्स्य पालन गतिविधियों में पुनर्निवेश के लिए किया जा रहा है।

जितेश कुमार हेडाऊ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना तथा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में मिल रहे शासकीय सहयोग से उन्हें मत्स्य पालन को आगे बढ़ाने का अवसर मिला है। उन्होंने योजना का लाभ मिलने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि शासन की योजनाएं ग्रामीण परिवारों को स्वरोजगार से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध हो रही हैं।

महिला सशक्तिकरण | परियोजना, क्लस्टर और आंगनबाड़ी केन्द्र स्तर पर हो रहे विविध आयोजन

आंगन मिलन सेवा कार्यक्रमों से योजनाओं की जानकारी के साथ स्वास्थ्य व पोषण के प्रति जागरूकता

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में परियोजना, क्लस्टर एवं आंगनबाड़ी केन्द्र स्तर पर आंगन मिलन सेवा कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं, बच्चों एवं परिवारों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के साथ-साथ स्वास्थ्य, पोषण एवं महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रमों में विभागीय योजनाओं की जानकारी के साथ सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने वाली विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

आंगन मिलन सेवा कार्यक्रमों में खेलकूद, मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं के साथ गर्भवती एवं धात्री महिलाओं की गोद भराई तथा नन्हे शिशुओं का अन्नप्राशन कराया जा रहा है। बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता भी आयोजित की जा रही है। शासन की योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहे हितग्राहियों का सम्मान कर उन्हें प्रोत्साहित किया जा रहा है। जनसहयोग से न्योता भोज का आयोजन कर सामुदायिक सहभागिता की भावना को मजबूत किया जा रहा है। उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं मितानिनों का सम्मान कर उनके महत्वपूर्ण योगदान को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविरों में महिलाओं एवं बच्चों की स्वास्थ्य जांच की जा रही है। साथ ही पोषण जागरूकता के अंतर्गत संतुलित एवं आदर्श पोषण आहार, नियमित स्वास्थ्य देखभाल तथा बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास में पोषण की भूमिका के संबंध में जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रमों में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित महतारी वंदन योजना, बाल संदर्भ योजना, सक्षम स्वावलंबन, सुकन्या समृद्धि योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र श्रमिकों एवं उनके परिवारों को योजनाओं के लाभ, पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया से अवगत कराया जा रहा है, ताकि जरूरतमंद परिवार शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकें।

सेवा सेतु बनेगा नागरिकों की राशन संबंधी समस्याओं के समाधान का माध्यम

बेमेतरा /सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा सेतु के माध्यम से शासन की योजनाओं और सुविधाओं को सीधे नागरिकों तक पहुंचाने की पहल की जा रही है ।इसी क्रम में कलेक्टर के निर्देशन में जिले के सभी विकासखण्डों में खाद्य विभाग द्वारा 28, 29 एवं 30 सितंबर 2026 को सेवा सेतु शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों के माध्यम से राशन कार्ड से संबंधित विभिन्न समस्याओं का मौके पर समाधान किया जाएगा ।ऐसे हितग्राही जिनके राशन कार्ड में अब तक ई-केवाईसी, आधार सीडिंग या मोबाइल सीडिंग नहीं हुआ है, वे शिविर में पहुंचकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करा सकेंगे ।इसके साथ ही नवीन राशन कार्ड बनवाने, परिवार के सदस्य का नाम जोड़ने, नाम काटने, शिफ्टिंग सहित राशन कार्ड से जुड़े अन्य कार्यों के लिए भी नागरिकों को सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: व्यक्तिगत सूचना ::-

(रा.प्र.क्र./202504101000115/अ-5/वर्ष 2025-26)

प्रति,
01. कृष्णा सोनी पिता हर प्रसाद सोनी
निवासी - भिलाई दुर्ग
पक्षकार - यशवर्धन लाल आ. सुंदर लाल साहू
निवासी - फरीद नगर सुपेला भिलाई

विरूद्ध

अनावेदक-छ.ग. शासन

आपको सूचित किया जाता है इस न्यायालय का रा.प्र.कं. 202504101000115/अ-5/वर्ष 2025-26 आवेदक यशवर्धन लाल पिता/पति/विभाग-सुन्दर लाल साहू पता-सुपेला द्वारा ग्राम कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.मं कोहका, तहसील व जिला दुर्ग की भूमि ख.न. 304/7 रकबा 1470 वर्गफीट भूमि को आवेदक द्वारा दिनाक 18.07.1986 को क्रय कर नामान्तरण कराकर काबिज है ।लेकिन उक्त भूमि वर्तमान पटवारी अभिलेख में दर्ज नहीं है उक्त भूमि में बंदोबस्त के दौरान हुई त्रुटी को सुधार किये जाने हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 30/09/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज 17/09/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

सोलह दूनी आठ

नई दृष्टिबिंदु

साप्ताहिक कॉलम

याज्ञवल्क्य मिश्रा

File is with boss

कोई भी प्रोडक्ट होता है तो उसके लिए एक पंच लाईन भी बनती है। मार्केटिंग में ऐसा करना जरुरी से एक कदम आगे अनिवार्य माना जाता है। अब सरकार है तो सरकार का प्रोडक्ट क्या है ? वह प्रोडक्ट है सुशासन। अब इस सुशासन का पंच लाईन भी है और वह है -'फाईल इज विथ बॉस।' मैंगो पीपुल माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने जैसी मेहनत कर मंत्रालय के भीतर घुसे या किसी अन्य सरकारी संस्थान में। फाईल का पता करने पर झट से एक जवाब आता है -फाईल इज विथ बॉस। अब इस लाईन का,इस पंच लाईन का व्यापक अर्थ है। मैंगो पीपुल को जैसे ही यह जवाब मिलता है तो वह यह सोच कर खुश हो लेता है कि चलो फाईल बढ़ चली है और बस अब हो ही जाएगा काम। लेकिन फिर दो महीने बाद जब बंदा दुबारा पहुंचता है और कहता है कि साहब मेरा कागज मेरा काम, तो फिर यही जवाब दिया जाता है - फाईल इज विथ बॉस। अब इस जवाब के साथ मैंगो पीपुल को यह बताया जाता है कि,साहब ने फाईल रखी है लेकिन साहब हैं वो तो उन्हें कोई कैसे कुछ कहेगा। मैंगो पीपुल यह बात समझ कर लौट जाता है कि चलो साहब आज नहीं तो कल कर ही देंगे। लेकिन इसमें फिर महीनों गुजरते हैं और जब मैंगो पीपुल पहुंचता है तो फिर वही पंच लाईन - फाईल इज विथ बॉस।

उजड़ा दयार

आखिरकार बीजेपी संगठन में वह फैसला सार्वजनिक हुआ जिसकी चर्चा बहुत दिनों से थी। दो शक्ति स्तंभ नए गंतव्य की ओर रवाना कर दिए गए। इस रवानगी को लेकर ऐसा क्या है कि इसे सामान्य संगठनात्मक रोटेशन मानने में सहजता नहीं है। इसे लेकर कई मानस और विचार हैं,जैसे सत्ता और संगठन दोनों की अपनी अपनी अलग कार्यशैली होती है। सत्ता संगठन में घुसपैठ नहीं करती और संगठन सत्ता में हस्तक्षेप समानांतर शक्ति केंद्र बनकर नहीं करता। कुछ ऐसे भी हैं जो एक समूह का जिक्र करते हैं जो समानांतर शक्ति केंद्र की ऊर्जा से भरपूर थे। जो बात ना माने उसे लेकर दुर्गति किए जाने वाले आख्यान निबंध रच कर प्रचारित किए जाते थे, यह काम वही छोटा समूह करता था। इस मसले पर बतरस रचने और करने वालों की कोई कमी नहीं है। जहां तक अपने राम का सवाल है तो अपन बस ये मानते हैं और जानते हैं कि सारी बातें अफवाह है,दुश्मनों की उड़ाई बातें हैं। परिवर्तन तो प्रकृति और संगठन के जीवंत और सतत क्रियाशील होने का प्रमाण है। अस्तु जो जहां गए उन्हें शुभकामनाएँ।

लल्ला ना मिल रहा

रायपुर कमिश्नरी एक लल्ला की तलाश में जुटी है। एक एफआईआर है जो कहती है कि ललना ने कमिश्नरी के एक थाने में बवाल काटा और तोड़फोड़ की। पुलिस दरवाजे से इस जमानत पर लौट आई कि,लल्ला खुदे थाने पहुंच रहे हैं। लेकिन लल्ला तो खैर लल्ला हैं। बीच रास्ते से नदारद हो लिए। अब पुलिस जमानत देने वाले को बुलाकर सम्मान से कह रही है कि -ह्लहे नेता,आपका प्रिय जुनियर कनिष्ठ भ्राता किधर गया।ह्व जमानत पढ़ने वाले नेताजी अब ये कह रहे हैं मैं तो वादे के मुताबिक ला ही रहा था ये पता ही नहीं चला कि पीछे से कब और कहाँ उतर गया और किधर चला गया। सत्ता वाले इस नेता से अब सख्ती हो तो हो कैसे। वैसे जिस ललना को लेकर यहां पेंच फँसा है उसे लेकर यह जानिए कि,इसी लल्ला को मामले मुकदमें में जब पुलिस ने पकड़ा तो मौजूदा समय में एमएलए साहब ने गालियों की बौछार कर दी और थाने में धरने पर बैठ गए सो अलग। जानने वाले जानते हैं तब इन श्रीमान ने थाने कैंपस में ही पुलिस अफसर से सीधी हुज्जतबाजी कर ही दी थी लेकिन सधे तरीके से वह अफसर वहां से निकल गया। सत्ता आई तो उसी अफसर को पहली लिस्ट में बस्तर भेजा गया और वह अब भी वहीं है। मॉरल ऑफ स्टोरी ये है कि, तब ही वह नेताजी जो आज फिर से एमएलए साहब हैं, यदि अपने लल्ला को फटकार लगाते और पुलिस को सहयोग का निर्देश देकर खुद सहयोग करते तो लल्ला इस कदर मनबढ़ नहीं होते। आपको वह किस्सा याद है न कि,एक बच्चा कभी पेंसिल चुराता था तो कभी कुछ,ममता की मारी माँ उसे फटकारने के बजाय पुचकारती थी। बाद में वह बच्चा आखिरी मुसीबत बन गया। सत्ता के तोपचंदों को यह पता होना चाहिए कि,संरक्षण और प्रोत्साहन देकर दरअसल वे ऐसे लल्ला को बिगाड़ते हैं, ऐसे ललना का गंभीर नुकसान करते हैं। लेकिन यदि ऐसा करेंगे तो ज़िंदाबाद के नारे कौन लगाएगा।

अब कैसे होगा

छत्तीसगढ़ पुलिस गजब मासूम है। एक जिले में एक दरोगा साहब का किसी बात पर मौजूदा समय थोड़े बुजुर्ग और तासीर से शांत हो चुके लेकिन किसी दौर में फुल बवाली से पंगा फँसा तो दरोगा साहब ने हर पुरानी एफआईआर का हवाला देकर जिलाबदर पेश कर दिया। अब बुजुर्ग ने पूरे पुराने रिकॉर्ड निकलवाए तो समझ आया कि हर मामला खत्म है और एक है तो अदालत के विचाराधीन है। जहाँ तक ज़िला बदर का मसला है तो महीनों फाईल कलेक्ट्रेट में धूल खाती रही। ऐसा इसलिए कि जिस कलेक्टर के समय यह पेश हुआ और उन्होंने सुनवाई की तो वे समझ गए कि मसला दरोगा की कारस्तानी की उपज है। कलेक्टर ने दरोगा से पूछा कि जब मामले ही कोर्ट से समाप्त हो गए और मामले पुराने हैं तो अभी उसी मामले पर जिलाबदर कैसे पेश किए। दरोगा साहब ने मासूमियत से कहा - 'सर हमारे रिकॉर्ड में यह उल्लेख नहीं है कि केसों का निपटारा हुआ है। हम तो उसी रिकॉर्ड के हिसाब से किए हैं सर।अगर केस खत्म हो गए थे तो पुलिस को इंफॉरमेशन देना चाहिए था दिए ही नहीं तो हम कैसे जानें कि मामला अदालत से निपट गया है। युवा कलेक्टर इस प्रकरण को नस्तीबद्ध करने ही वाले थे कि ट्रांसफर हो गया और फाईल पड़ी रह गई। अचानक बुजुर्ग चचा के पास नोटिस आ गया कि ,उन्हे जिलाबदर कर दिया गया है। अब चचा वकीलों की शरण में हैं और जल्द पहले गृह विभाग और फिर हाईकोर्ट पहुँचेंगे। जाहिर है मसला हाईकोर्ट पहुंचा तो अदालत की ओर से तारीफ के फूल जब झड़ेंगे तो सुशासन सरकार आल्हादित मुदित और पुलकित होगी। सहाफी जैसे सरकार के हुक्म के तलबगार और शैदाई पूरे दम से कहेंगे -'सुशासन सरकार ज़िंदाबाद।'

जय सुशासन

सुशासन सरकार कुछ अनभनिया ना करे तो फिर भला कैसी सुशासन सरकार। रायपुर के इंडोर स्टेडियम में समूचा निगम अमला दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर कार्यक्रम में जुटा था। सीएम साय और डिप्टी सीएम अरुण साव भी पहुंचे और प्रोग्राम शुरू हुआ। वहां ये हुआ कि,नियमों के अनुरूप राष्ट्र गीत/गान और राजगीत बजना था,जो कि बिलकुल बजा भी।लेकिन दिल लूट लिया गया राष्ट्र गीत याने वंदे मातरम् के समय। हुआ ये कि यहां वही दो अंतरे मंच से गुंजायमान हुए जिसे लेकर बीजेपी कांग्रेस की लानत मलामत कर चुकी है।

बबलू भईया का तीर

मौका मिले और चूक जाएं,बबलू भैया ऐसे तीरंदाज तो हैं नहीं। अनवरत बारिश से समूचा रायपुर तरबतर और भयावह अव्यवस्थित हो गया था। लोग निगम अमले को खोज रहे थे, जाहिर है गरियाते हुए खोज रहे थे। लेकिन निगम अमला इंडोर स्टेडियम में अंत्योदय सेवा वंदन पर्व मनाने में मगन था। अब सरकार बीजेपी की, और कार्यक्रम में खुद सीएम के साथ नगरीय प्रशासन मंत्री मौजूद हों,और कार्यक्रम दीनदयाल जयंती का हो तो निगम अमला क्या ही करता,पब्लिक का क्या है झेलेगी और भूल जाएगी। लेकिन बबलू भईया कहां भूलने और चूकने वाले थे। बबलू भईया ने सोशल मीडिया पर लिखा -'ज़िंदगी अस्त-व्यस्त..सरकार नाचने में मस्त!आप डूबे रहिए,परेशान रहिए..लेकिन सरकार अभी नाचेगी'

साहब पूजा पाठ कराइए तो

सरगुजा में एक ट्रेनी डीएसपी सिविल में निजी रवश से थाने से लौट रहे थे। रास्ते में जय गणपति बोलते हुए विसर्जन करने जुलूस मिल गया। अब वहां जो भी हुआ और जिस परिस्थिति में हुआ, रिजल्ट ये सामने आया कि ट्रेनी डीएसपी साहब ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि जुलूस वाले ग्रामीणों ने जुतम पैजार कर दी और खूबसूरत रवश को चारों तरफ से झांझर कर दिया। बहरहाल अपने ही महकमे के साहब के मसले में पुलिस ने पूरी ताकत से कार्रवाई की वह भी फौरन से पेश्तर के अंदाज में। 6 ग्रामीणों को टाँग के जेल रवाना कर दिया गया। अच्छी बात है पुलिस जनता की इज्जत बचाए न बचाए अपनी ही अगर बचा ले रही है तो है तो इसी पर नागरिकों को खुश होना चाहिए। बाकी ये भी है कि ट्रेनी डीएसपी सर को ठीक से पूजा अरदास दुआ प्रार्थना जो सही लगे कराना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि कुछ महीने पहले साहब गांजा और तस्कर पकड़ने गए थे। जिसे पकड़ने गए थे उसे खोजते ही रह गए और वो बंदा 'पिनक' में साहब की सरकारी गाड़ी ही लेकर तफरीह पर निकल गया था।ये भी है कि पुलिस ने तब भी कुछ घंटे में गाड़ी लावारिस बरामद कर अपनी इज्जत में इजाफा कर लिया था।

साहब की तीन बातें

एक जिले में धर्म की चादर ओढ़ कर गैंगबाजी करने वाले को पुलिस ने मध्यप्रदेश के पन्ना इलाके से टाँग लिया। जिस जगह गैंगबाजी हुई और फिर गैंगबाजी को हिंदु मुस्लिम कलेवर देने की कोशिश हुई वहां इसके पहले कि मामला बिगड़ता,खुर्राट कप्तान ने बगैर भेदभाव बगैर गिनती जुते लाठी चलाए और सीधे जेल रवाना किया। लेकिन एक गैंग के लीडर को नेता मंत्री की सरपरस्ती पर भरोसा था। नेता जी अपनी ही सरकार है का भरोसा था। लेकिन पुलिस ने गैंग लीडर को आखिरकार टाँग ही लिया। अब हुआ ये कि नेता जी ने लाईस बाईस अंदाज के साथ बड़े साहब के सामने बात कही कि जिसे पकड़ा है वह तो धमार्नुरागी बंदा है और अमूक एसपी तो उससे नाराज रहते हैं और पसंद नहीं करते।नेताजी को लगा कि बड़े साहब ने धैर्य से बात सुनी है तो कुछ राहत मिलेगी लेकिन बड़े साहब ने मुस्कुरा कर कहा - 'देखो पहली बात तो ऐसा है कि,वह कोई धमार्नुरागी नहीं है,केवल गुंडा है। दूसरी बात ये है कि किसी भी गुंडे पर एसपी नाराज हो यह तो अच्छी बात है..परेशानी तो तब हो जबकि कोई गुंडा हो और उसके एसपी से अच्छे संबंध हो।और तीसरी बात ये है कि पुलिस गुंडे पर कार्यवाही नहीं करेगी तो किस पर करेगी ?'

ये क्या संकेत है

बीजेपी की नेशनल टीम में एक पोस्टिंग हुई है। ये पोस्टिंग हुई है कम्यूनिकेशन डिपार्टमेंट में।इसके को ऑर्डिनेटर बनाए गए हैं अनिल बलूनी। अब ये बात इस कॉलम में क्यों दर्ज की गई है, यह इसलिये दर्ज की गई है क्योंकि कम्यूनिकेशन में सोशल मीडिया भी आता है। ज्यादा दिन नहीं हुए कि सोशल मीडिया के लिए अमित मालवीय के स्थान पर नई नियुक्ति हुई थी। अब उस नियुक्ति को याद करते हुए बलूनी जी की नियुक्ति को देखिए। सवाल कहिए या जिज्ञासा वह तो उद्धूत होगी न कि आखिर ये कोई संकेत है या सामान्य पोस्टिंग का मसला।समझ यह भी नहीं आ रहा है कि कुछ लोग इस पोस्टिंग के साथ छत्तीसगढ़ में वायरल हुए किसी वीडियो का किस्सा क्यों जोड़ रहे हैं,जो जांच में डीप फेक पाया गया। इन जलनखोर अफवाहबाजो की यह उड़ान है कि राजनीति की इस रणनीति में तार कहां और किधर तक थे इस पर कहीं अनुसंधान हो गया तो मसला कईयो के लिए मुसीबत का सबब बन जाएगा। अपने राम वैसे यह मानते हैं पार्टी का अंदरूनी मामला है,सामान्य रुटीन पोस्टिंग है।

मंत्री यादव ने कार्यकताओं के साथ सुनी मन की बात

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

केबिनेट मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव ने भाजपा कार्यकताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 138वें संस्करण का प्रसारण सुने। इस दौरान नयापारा बघेरा स्थित वार्ड क्रमांक 56 की बूथ अध्यक्ष श्रीमती लोकेश्वरी पटेल के निवास पर क्षेत्र के कार्यकर्त्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से संवाद करते हुए सर्जिकल स्ट्राइक के 10 वर्ष, आतंकवाद के विरुद्ध भारत के दृढ़ संकल्प, जनगणना में जनभागीदारी, स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने तथा गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता के संकल्प सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम देश के अलग-अलग क्षेत्रों में सकारात्मक कार्य कर रहे नागरिकों के प्रयासों को सामने लाने के साथ ही जनभागीदारी की भावना को मजबूत करता है। हर संस्करण के माध्यम से प्रधानमंत्री देशवासियों को राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करते हैं।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता, जनभागीदारी और राष्ट्रहित से जुड़े विषयों पर प्रधानमंत्री का आह्वान समाज के प्रत्येक वर्ग को अपनी जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देता है। मन की बात का यह संस्करण भी देश की सामूहिक शक्ति, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को सशक्त करने वाला प्रेरणादायी संवाद रहा। इस दौरान स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने कार्यकताओं के साथ घर-घर पहुंचकर बांटे भोजन पैकेट

दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में बीते दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के बीच आज मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव बारिश से प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे और प्रभावित परिवारजनों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। इस दौरान कई महिलाओं ने बारिश के कारण उत्पन्न हुई भोजन की समस्या से उन्हें अवगत कराया। दुर्ग की जनता के परिवारों की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए मंत्री गजेन्द्र यादव ने शाम को भाजपा कार्यकताओं के साथ स्वयं प्रभावित क्षेत्रों में घर-घर पहुंचकर जरूरतमंद परिवारों को भोजन पैकेट वितरित किए। उन्होंने परिवारजनों से संवाद करते हुए उनकी परेशानियों को सुना और इस कठिन समय में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। मंत्री श्री यादव ने कहा कि लगातार बारिश के कारण प्रभावित परिवारों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए शासन-प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहा है। प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन की टीम के साथ लगातार स्थिति पर नजर रखी जा रही है तथा जरूरत के अनुसार भोजन, सुरक्षित ठहरने सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों एवं मैदानी अमले से प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की लगातार जानकारी लेते रहने और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल राहत एवं सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण किसी भी परिवार को परेशानी न हो, इसके लिए सभी स्तरों पर समन्वय के साथ कार्य किया जा रहा है।

पटेल चौक से हिंदी भवन तक जलभराव स्थिति का महापौर बाघमार व कमिश्नर कोसम ने लिया जायजा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम। लगातार हो रही बारिश के बीच शहर में जलभराव की स्थिति को देखते हुए महापौर अलका बाघमार एवं नगर निगम कमिश्नर लीना कोसम ने आज पटेल चौक से पोस्ट ऑफिस के सामने से हिंदी भवन तक का निरीक्षण।

इस दौरान जलभराव की स्थिति पटेल चौक से लेकर पंचायत कार्यालय तक जल भराव की स्थिति क्यो बनी होती जिसका बारीकी से निरीक्षण कर जांचा,पटेल चौक से पंचायत कार्यालय एवं हिंदी भवन तक सड़क पर होने वाले जलभराव की समस्या का आज महापौर अलका बाघमार एवं निगम कमिश्नर लीना कोसम ने स्थल निरीक्षण कर जलभराव के कारणों को समझते हुए अधिकारियों से आवश्यक जानकारी ली गई।

महापौर ने बताया कि निरीक्षण में स्पष्ट हुआ कि तेज बारिश के दौरान नालियों के भीतर पाइपलाइन एवं सीमित जलनिकासी क्षमता के कारण पानी का बहाव प्रभावित होता है, जिससे सड़क पर पानी जमा हो जाता है। समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है और जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। दीपावली के आसपास जलनिकासी सुधार कार्य प्रारंभ करने की तैयारी है। उन्होंने बताया कि जलनिकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नाली को तीन हिस्सों में विभाजित कर वार्ड क्रमांक 37, 38 एवं 39 के विभिन्न क्षेत्रों की ओर पानी निकासी की व्यवस्था विकसित की जाएगी। इससे बारिश के दौरान पानी का बहाव सुचारू होगा और सड़क पर जलभराव की स्थिति में कमी आएगी।

निरीक्षण के दौरान लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, स्वास्थ्य विभाग प्रभारी निलेश अग्रवाल, कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, उपअभियंता सुरेश केवलानी, उपअभियंता विकास दमाहे, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता सहित निगम टीम अमला मौजूद रहें।

महापौर अलका बाघमार एवं कमिश्नर लीना कोसम ने डेटा सेंटर के पास वार्ड क्रमांक 39 स्थित तालाब का भी निरीक्षण किया। यहां आसपास के क्षेत्र से पानी तालाब में जाने की स्थिति को देखते हुए पानी के प्रवाह को डायवर्ट करने के लिए नई नाली निर्माण की आवश्यकता पर चर्चा की गई।

महापौर अलका बाघमार एवं कमिश्नर लीना कोसम ने संबंधित अधिकारियों को स्थल की स्थिति का तकनीकी परीक्षण कर नई नाली निर्माण की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि बारिश के दौरान पानी का सुचारू निकास हो सके और भविष्य में संबंधित क्षेत्रों में जलभराव की समस्या को कम किया जा सके।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को जल निकासी से जुड़े कार्यो में तेजी लाने तथा बारिश के दौरान नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

अस्थायी गौठान में मवेशियों की मौत

बिलासपुर। जिले के सीपत क्षेत्र के झलमला गांव में बनाए गए अस्थायी गौठान में दो दिनों के भीतर बड़ी संख्या में मवेशियों की मौत होने का दावा ग्रामीणों ने किया है। इस घटना के बाद गांव में चिंता का माहौल है और गौठान की व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

बिश्नोई गैंग के नाम पर 25 करोड़ की धमकी : जांजगीर-चांपा युवक से शोएब ढेबर तक जुड़े तार

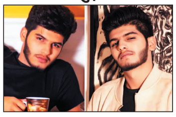

रायपुर। कांग्रेस नेता आनंद कुकरेजा से लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर 25 करोड़ की रंगदारी मांगने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने पहले जांजगीर-चांपा के एक युवक को पकड़ा था, जो रायपुर के एक होटल में सिक्योरिटी गार्ड था। पूछताछ में उसी ने शोएब ढेबर का नाम लिया। आरोप है कि धमकी भरे इंटरनेट कॉल के लिए हॉटस्पॉट शोएब ने उपलब्ध कराया था। इसी कड़ी में रायपुर पुलिस ने शोएब ढेबर को गिरफ्तार कर लिया है। होटल स्टाफ समेत कई लोगों से पूछताछ जारी है।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100